राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,२५ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३२६ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राम मंदिर निर्माण के लिए दान करने को आगे आ रहे लोग-विश्व हिंदू परिषद

हैदराबाद। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने देशभर में धन एकत्र करने का निर्णय लिया है। इसके लिए वीएचपी कार्यकर्ता चार लाख गावों में जाएंगे और यहां रहने वाले 11 करोड़ लोगों से धन एकत्रित करेंगे। संगठन की तरफ से यह काम शुरू करने के लिए कई गांवों का दौरा किया गया है। वीएचपी ने बताया कि अयोध्या में भगवान राम मंदिर के निर्माण के लिए दान देने के लिए लोग अभी से आगे आ रहे हैं। समाचार एजेंसी एएनआइ से बात करते हुए, विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया, अयोध्या में भगवान राम मंदिर का निर्माण करने के लिए, विहिप ने देशभर से धन एकत्र करने का फैसला किया है। धन एकत्र होने के साथ, राम मंदिर संग्रहालय, अभिलेखागार, पुस्तकालय, सत्संग भवन और कई अन्य निर्माण विकसित किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, मंदिर निर्माण में दान बढ़ाने के लिए, VHP चार लाख से ज्यादा गांवों में जाएगी और यहां रहने वाले 11 करोड़ परिवारों तक पहुंचेगी। इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि तेलंगाना में दान लेने की इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए संगठन ने राज्य का दौरा किया है। तेलंगाना में 9,000 गांवों तक पहुंचे हैं जिनमें 40 लाख परिवारों में तीन करोड़ से अधिक लोग रहते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों ने पहले ही अपेक्षा से अधिक दान देना शुरू कर दिया है। एकत्रित धनराशि का उपयोग 108 एकड़ भूमि के विकास के लिए किया जाएगा। उन्होंने बताया, 'इस 108 एकड़ के विकास के लिए, हम सरकारी धन को स्वीकार नहीं करेंगे। सरकारी धन का उपयोग अयोध्या के समग्र विकास के लिए किया जा सकता है।' वीएचपी के तेलंगाना राज्य सचिव, बांदरी रमेश ने कहा कि वीएचपी कार्यकर्ताओं द्वारा लोगों तक पहुंचकर दान का संग्रह 20 जनवरी, 2021 से शुरू होकर 10 फरवरी, 2021 तक चलेगा। रमेश ने कहा, लोग पहले से ही अपना उत्साह दिखा रहे हैं

विश्वभारती यूनिवर्सिटी के 100 साल पूरे होने पर बोले पीएम मोदी,

'हर भारतवासी के लिए गर्व की बात'

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल चुनाव में कुछ ही महीने बचे हैं। इस चुनावी मौसम में सियासी पारा पूरी तरह बढ़ चुका है। इन सब के बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के विश्व भारती यूनिवर्सिटी के 100 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पीएम मोदी का संबोधन सुबह 11 बजे शुरू हुआ। समारोह में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ भी मौजूद थे।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत में कहा कि विश्वभारती की सौ सालों की यात्रा बहुत विशेष है। विश्वभारती, मां भारती के लिए गुरुदेव के चिंतन, दर्शन और परिश्रम का एक साकार अवतार है। भारत के लिए गुरुदेव ने जो सपना देखा था, उस सपने को मूर्त रूप देने के लिए देश को निरंतर ऊर्जा देने वाला यह एक तरह से आराध्य स्थल है। पीएम बोले कि विश्वभारती विश्वविद्यालय के 100 वर्ष होना प्रत्येक भारतवासी के लिए बहुत ही गर्व की बात है और यह उनके लिए भी सुखद है कि आज के दिन इस तपोभूमि का पुण्य स्मरण करने का अवसर उन्हें मिल रहा है।

पीएम मोदी ने आगे कहा, हमारा देश, विश्व भारती से निकले संदेश को पूरे विश्व तक पहुंचा रहा है। भारत आज इंटरनेशनल सोलर अलायंस के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में विश्व का नेतृत्व कर रहा है। भारत आज इकलौता बड़ा देश है जो पैरिस समझौते के पर्यावरण के लक्ष्यों को प्राप्त करने के सही मार्ग पर है।

रवींद्रनाथ टैगोर को ऐसे किया याद

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा, वेद से विवेकानंद तक भारत के चिंतन की धारा गुरुदेव के राष्ट्रवाद के चिंतन में भी मुखर थी और ये धारा अंतर्मुखी नहीं थी। वो भारत को विश्व के अन्य देशों से अलग रखने वाली नहीं थी। उनका विजन था कि जो भारत में सर्वश्रेष्ठ है, उससे विश्व को लाभ हो और

ये भविष्य में हमारे स्वतंत्रता संग्राम की बहुत बड़ी प्रेरणा बनी। जब भक्ति और कर्म की धाराएं पुरबहार थी तो उसके साथ-साथ ज्ञान की सरिता का ये नूतन त्रिवेणी संगम, आजादी के आंदोलन की चेतना बन गया था। आजादी की ललक में भाव भक्ति की प्रेरणा भरपूर थी।

जो दुनिया में अच्छा है, भारत उससे भी सीखे। आपके विश्वविद्यालय का नाम ही देखिए- विश्व-भारती यानी मां भारती और विश्व के साथ समन्वय।

उन्होंने आगे कहा, विश्व भारती के लिए गुरुदेव का विजन आत्मनिर्भर भारत का भी सार है। आत्मनिर्भर भारत अभियान भी विश्व कल्याण के लिए भारत के कल्याण का मार्ग है। ये अभियान, भारत को सशक्त करने का अभियान है, भारत की समृद्धि से विश्व में समृद्धि लाने का अभियान है।

पीएम मोदी ने स्वतंत्रता संग्राम पर क्या कहा?

विश्वभारती यूनिवर्सिटी के शताब्दी समारोह में पीएम मोदी ने कहा, जब हम स्वतंत्रता संग्राम की बात करते हैं तो हमारे मन में सीधे 19-20वीं सदी का विचार आता है। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि इन आंदोलनों की नींव बहुत पहले रखी गई थी। भारत की आजादी के आंदोलन को सदियों पहले से चले आ रहे अनेक आंदोलनों से ऊर्जा मिली थी। भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक एकता को भक्ति आंदोलन ने मजबूत करने का काम किया था। भक्ति युग में, हिंदुस्तान के हर क्षेत्र, हर इलाके, पूर्व-पश्चिम-उत्तर-दक्षिण, हर दिशा में हमारे संतों ने, महंतों ने, आचार्यों ने देश की चेतना को जागृत रखने का प्रयास किया। भक्ति आंदोलन वो डोर थी जिसने सदियों से संघर्षरत भारत को सामूहिक चेतना और आत्मविश्वास से भर दिया। भक्ति का ये विषय तब तक आगे नहीं बढ़ सकता जब तक महान काली भक्त श्रीरामकृष्ण परमहंस की चर्चा ना हो। वे महान संत, जिनके कारण भारत को स्वामी विवेकानंद मिले। स्वामी विवेकानंद भक्ति, ज्ञान और कर्म, तीनों को अपने में समाए हुए थे।

आजादी की लड़ाई में विश्वविद्यालयों का रहा महत्वपूर्ण योगदान

पीएम मोदी ने आगे कहा, भक्ति आंदोलन के सैकड़ों वर्षों के कालखंड के साथ-साथ देश में कर्म आंदोलन भी चला। भारत के लोग गुलामी और साम्राज्यवाद से लड़ रहे थे। चाहे वह छत्रपति शिवाजी हों, महाराणा प्रताप हों, रानी लक्ष्मीबाई हों, कित्तूर की रानी चेनम्मा हों, भगवान बिरसा मुंडा का सशस्त्र संग्राम हो। अन्याय और शोषण के विरुद्ध सामान्य नागरिकों के तप-त्याग और तर्पण की कर्म-कठोर साधना अपने चरम पर थी। ये भविष्य में हमारे स्वतंत्रता संग्राम की बहुत बड़ी प्रेरणा बनी। जब भक्ति और कर्म की धाराएं पुरबहार थी तो उसके साथ-साथ ज्ञान की सरिता का ये नूतन त्रिवेणी संगम, आजादी के आंदोलन की चेतना बन गया था। आजादी की ललक में भाव भक्ति की प्रेरणा भरपूर थी। समय की मांग थी कि ज्ञान के अधिष्ठान पर आजादी की जंग जीतने के लिए वैचारिक आंदोलन भी खड़ा किया जाए और साथ ही उज्ज्वल भावी भारत के निर्माण के लिए नई पीढ़ी को तैयार भी किया जाए और इसमें बहुत बड़ी भूमिका निभाई, कई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों ने, विश्वविद्यालयों ने।

अयोध्या में बनने वाली मस्जिद को लेकर क्यों है AIM-PLB और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड टकराव

लखनऊ। अयोध्या के धन्नीपुर गांव में विशाल मस्जिद के प्रस्तावित निर्माण को एआईएमपीएलबी के दो सदस्यों ने जहां वक्फ कानून एवं शरीया कानून के खिलाफ करार दिया है वहीं सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने जोर देकर कहा कि बनने वाली मस्जिद पूरी तरह से कानूनी है । अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के सदस्य जफरयाब जिलानी ने बुधवार को कहा कि पिछले साल के उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अयोध्या में प्रस्तावित मस्जिद वक्फ कानून के खिलाफ है और शरीया कानून के अनुसार 'अवैध' है । बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के संयोजक रहे जिलानी ने कहा है कि वक्फ कानून के अनुसार मस्जिद अथवा मस्जिद की जमीन की अदला बदली नहीं हो सकती है। अयोध्या में प्रस्तावित मस्जिद इस कानून का उल्लंघन करती है । यह शरीया कानून का भी उल्लंघन करती है। जिलानी के आरोपों का जवाब देते हुये सुन्नी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष जुफार फारूकी ने एजेंसी को बताया कि यह भूमि के टुकड़े की अदला बदली नहीं है। उन्होंने इंगित किया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुपालन में धन्नीपुर गांव की जमीन उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को आवंटित की गयी है और बोर्ड ने स्टाम्प ड्यूटी चुका कर इसे कब्जे में लिया है। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने इसके लिये नौ लाख 29 हजार 400 रुपये की स्टाम्प ड्यूटी चुकायी है । उन्होंने कहा कि यह संपत्ति अब वक्फ बोर्ड की है । अयोध्या में मस्जिद निर्माण के लिये बने एक ट्रस्ट के सचिव अतहर हुसैन ने जिलानी के आरोपों को खारिज करते हुये कहा कि हर व्यक्ति अपने तरीके से शरीया कानून की व्यख्या करता है । हुसैन ने कहा कि शरीया कानून की व्याख्या करने की शक्ति कुछ सीमित लोगों के हाथों में नहीं है । मस्जिद नमाज अदा करने की जगह है । इसलिये मस्जिद के निर्माण में गलत क्या है । जिलानी के आरोपों पर जवाब देते हुये हुसैन ने उन पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिलानी साहब एक सक्षम अधिवक्ता हैं। अगर हम लोग सेंट्रल वक्फ कानून जैसे किसी कानून का उल्लंघन कर रहे हैं तो वह इसे किसी अदालत में चुनौती क्यों नहीं देते हैं। अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के एक अन्य कार्यकारी सदस्य एस क्यू आर इलियास ने इससे पहले वक्फ बोर्ड पर सरकार के दबाव में काम करने का आरोप लगाते हुए प्रस्तावित मस्जिद को केवल प्रतीकात्मक मूल्य के रूप में करार दिया था ।

साल 2021-आरबीआई के सामने होंगी चार नई चुनौतियां, जिनसे होगा निपटना

नई दिल्ली। कोरोना संकट के दौर में भारत समेत दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं संकट में हैं। भारतीय रिजर्व बैंक इस दौरान बेहद मुस्तैद रहा है और आम लोगों के साथ उद्योग को कई तरह से राहत देकर इस आर्थिक चुनौती से निपटने की कोशिश की है। हालांकि, खुदरा महंगाई की ऊंची दर और कमजोर रुपया उसके लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। रिजर्व बैंक के लिए वर्ष 2021 में भी इस चुनौती से निपटना होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि बॉन्ड पर घटते रिटर्न से विदेशी निवेशक सहम सकते हैं जिन्होंने इस साल भारतीय बाजार में रिकॉर्ड 22 अरब डॉलर का निवेश किया है। वहीं शेयर बाजार को लेकर उम्मीद से अधिक उत्साह भी रिजर्व बैंक की परेशानी बढ़ा सकता है। भारत के शेयर बाजार में विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ रहा है और भारतीय रिजर्व बैंक उसे अपने पास समायोजित कर रहा है। इससे मुद्रा भंडार बढ़ रहा है और रुपये की मजबूती पर लगाम लग रही है।इस हस्तक्षेप के दो परिणाम हो रहे हैं। इससे रुपये में मजबूती नहीं आ रही है और बैंकिंग व्यवस्था में नकदी का प्रवाह बढ़ रहा है, जिससे सरकार को रिकॉर्ड 12 लाख करोड़ रुपये बाजार से उधारी लेने में मदद मिल रही है। अब तक यह रणनीति सही रही है। लेकिन अब ज्यादा नकदी और सस्ती दरों से भविष्य में कुछ ढांचागत समस्याएं आ

सकती हैं, जिसे लेकर विशेषज्ञों ने चेतावनी देनी शुरू कर दी है।

शेयर बाजार में उम्मीद से अधिक उत्साह-भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 47 हजार के स्तर को इस साल पार कर चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय शेयर बाजार वर्ष 2005 के समान 28 फीसदी की अग्रिम अनुमानित आय पर ट्रेड कर रहा है। इसका मतलब है कि निवेशकों को 28 फीसदी रिटर्न मिलने की उम्मीद है। विदेशी निवेशकों को इस साल भारतीय बाजार में 22 अरब डॉलर निवेश किया है।विशेषज्ञों का कहना है कि करोना संकट के दौर में निवेशक भारतीय बाजार को लेकर उम्मीद से अधिक उत्साहित हैं। ऐसे में किसी भी वैश्विक संकट की स्थिति में विदेशी निवेशक यदि भारतीय बाजार से पैसा निकलना शुरू कर दें तो वह शेयर बाजार के साथ रिजर्व बैंक के लिए भी परेशानी का सबब बन सकता है।

बैंक खाता बंद करवाते समय वसूले जाने वाले शुल्क से ऐसे बचें

बॉन्ड मार्केट पर महंगाई का असर

बॉन्ड में निवेश करने वालों को तय दर से रिटर्न मिलता है। बॉन्ड खरीदते समय उसकी ब्याज दर तय होती है जिसे कूपन रेट कहते हैं। महंगाई नरम रहने पर बॉन्ड से रिटर्न ऊंचा मिलने की गुंजाइश रहती है। जबकि महंगाई अधिक रहने पर रिटर्न घट जाता है। यदि बॉन्ड की दर छह फीसदी है और महंगाई दर 6.8 फीसदी है तो ऐसे में बॉन्ड नुकसान का सौदा है। वहीं महंगाई दर पांच फीसदी हो तो बॉन्ड में एक फीसदी लाभ होगा।

अमेरिका में 10 लाख से ज्यादा लोगों को दी गई कोरोना वायरस टीके की पहली खुराक

वॉशिंगटन। कोरोना वायरस से जूझ रही दुनिया के लिए एक अच्छी खबर है। अमेरिका में अब तक 10 लाख से ज्यादा लोगों को कोरोना वायरस का टीका दिया जा चुका है। सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन के डायरेक्टर रॉबर्ट रेडफील्ड ने इसकी जानकारी दी और बताया कि इन 10 लाख से ज्यादा लोगों को कोरोना वायरस वैक्सीन की दो में से पहली खुराक दी गई है। रेडफील्ड ने कहा, 'अमेरिका ने आज एक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया है। अधिकारियों के मुताबिक 10 लाख से ज्यादा लोगों को कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक दी गई है। यह टीकाकरण अभियान 10 दिन पहले शुरू किया गया था।'

मीडिया के साथ बातचीत के दौरान सरकार के ऑपरेशन वॉर्प स्पीड के-चीफ अडवाइज़र मॉनसेफ ने बताया, 'इस महीने तक 2 करोड़ लोगों को टीका देने का लक्ष्य हम शायद पूरा न कर पाएं लेकिन अमेरिका अगले साल यानी 2021 की पहली तिमाही तक 10 करोड़ लोगों को टीका देने के लक्ष्य पर आगे बढ़ रहा है।' अमेरिका में बीते हफ्ते फाइज़र और बायोनटेक की बनाई वैक्सीन को मान्यता मिली और इसके बाद वैक्सीन की 30 लाख खुराक डिलीवर की गई थी। इस हफ्ते मॉडर्ना की वैक्सीन के 60 लाख खुराक और फाइज़र की वैक्सीन के 20 लाख खुराकों को डिलीवर किया जाएगा। बता दें कि अमेरिका कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में से एक है। यहां अब तक 3 लाख 20 हजार लोगों की जान कोरोना वायरस ने ले ली है।

आज से बिना फास्टैग वाहनों के रजिस्ट्रेशन पर रोक, जानें RTO के नए नियम

लखनऊ। 1 जनवरी से टोल प्लाजा से गुजरने वाले चार पहिया वाहनों पर फास्टैग जरूरी है। ऐसे में बिना फास्टैग वाहनों के रजिस्ट्रेशन पर 25 दिसंबर से रोक लगा दी जाएगी। इस संबंध में आरटीओ ने बुधवार को डीलरों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। आरटीओ प्रशासन रामफेर द्विवेदी बताते हैं कि सभी चार पहिया वाहनों में फास्टैग अनिवार्य होगा। साथ ही चेकिंग दल वाहन चालकों को फास्टैग लगवाने के लिए चेतावनी भी देंगे। उन्होंने बताया कि लखनऊ आरटीओ कार्यालय में हर प्रकार के चार पहिया पंजीकृत वाहनों की संख्या छह लाख के पार है। इनमें सवा लाख के करीब वाहन चलन में नहीं हैं। उधर, डेढ़ लाख व्यावसायिक वाहन हैं और तीन लाख से ऊपर निजी वाहनों का रजिस्ट्रेशन है। इनमें मात्र 25 फीसदी वाहनों में ही फास्टैग लगे हैं।

बिना फास्टैग वाहनों को टोल टैक्स में नहीं मिलेगी छूट

नेशनल हाईवे के टोल प्लाजा पर बिना फास्टैग लगे वाहन को टोल टैक्स में छूट नहीं मिलेगी।

नए नियम के तहत यदि वाहन चालक 24 घंटे के भीतर लौट रहे हैं और फास्टैग वाहन पर लगा है तो टोल टैक्स में 50 फीसदी छूट मिलेगी। यानी एक तरफ का टोल टैक्स माफ हो जाएगा।

एनएचएआई के परियोजना निदेशक एनएन गिरि ने बताया कि ऐसा फास्टैग सिस्टम के प्रति वाहन स्वामियों को आकर्षित करने के लिए किया गया है। इसके पीछे डिजिटल कैशलेस प्रणाली को पूरी तरह लागू करने की भी सोच है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने एक जनवरी से सभी वाहनों पर फास्टैग अनिवार्य कर दिया है। वर्तमान में लखनऊ के निगोहां और इटौंजा टोल प्लाजा पर एक-एक कैश लेन है। उन्होंने कहा कि वाहन मालिक ऑनलाइन www.fastag.org आवेदन कर सकता है।

यूपी में लव जिहाद के खिलाफ कानून के बाद 'प्यार बनाम जिहाद' की बहस तेज

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने %लव जिहाद% को खत्म करने के अपने वादे के अनुरूप राज्य में नया कानून लागू कर दिया है। इससे प्यार बनाम जेहाद की बहस तेज हो गई है। इस कानून के खिलाफ सामाजिक कार्यकर्ता और विपक्षी दल अंतरधार्मिक एकता को खतरे में पड़ने की दुहाई दे रहे हैं। कई विपक्षी दल इस कानून को असंवैधानिक बता रहे हैं। इसके विपरीत भाजपा नेता कह रहे हैं कि अवैध धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए सख्त कानून का होना जरूरी है। आयु वर्ग के आधार पर किए गए अध्ययन से पता चलता है कि हाल के सालों में अंतरजातीय विवाहों में मामूली बढ़ोतरी हुई है। लेकिन अंतरधार्मिक विवाह की हिस्सेदारी पर करीब-करीब नहीं के बराबर असर पड़ा (चार्ट-1) है। यह भी पाया गया कि अंतरधार्मिक विवाह के मामले आर्थिक रूप से संपन्न तबके में थोड़ी बढ़े (चार्ट-2) हैं। लेकिन लव जेहाद को लेकर बहस जारी है। दक्षिण पंथी लोग मुस्लिम पुरुषों और हिंदू महिलाओं के बीच रिश्ते को लव जिहाद कहकर संबोधित करते हैं। उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश-2020 को भले ही केंद्र सरकार और अदालत ने अभी आधिकारिक रूप से मान्यता नहीं दी है, लेकिन हरियाणा और मध्य प्रदेश जैसे भाजपा शासित राज्यों में भी इस तरह का कानून लागू करने की कवायद तेज हो गई है। फिलहाल इस कानून के खिलाफ कई याचिकाएं इलाहाबाद उच्च न्यायालय और सर्वोच्च अदालत में विचाराधीन हैं।

क्या कहता है यूपी का कानून-यूपी के नए कानून के मुताबिक यह साबित हो जाता है

कि धर्म परिवर्तन की मंशा से शादी की गई है, तो दोषी को 10 साल तक की सजा हो सकती है। इसके तहत जबरन, लालच देकर या धोखाधड़ी से धर्म परिवर्तन कराने को भी गैर जमानतीय अपराध माना गया है। इसका मतलब है कि पुलिस आरोपी को बिना वारंट के गिरफ्तार करके पूछताछ कर सकती है। तोहफा, पैसा, मुफ्त शिक्षा, रोजगार या बेहर सुख-सुविधा का लालच देकर भी धर्म परिवर्तन कराना अपराध है। धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति के माता-पिता या रिश्तेदार भी केस दर्ज करा सकते हैं। अध्यादेश में सामान्य तौर पर अवैध धर्म परिवर्तन पर पांच साल तक की जेल और 15 हजार रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। लेकिन अनुसूचित जाति-जनजाति की नाबालिग लड़कियों से जुड़े मामले में 10 साल तक की सजा का प्रावधान और 25 हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान है। पहले पहले के धर्म में दोबारा अपनाने को धर्म परिवर्तन नहीं माना जाएगा। अवैध धर्म परिवर्तन कराने का दोबारा दोषी पाए जाने पर सजा दो गुनी हो जाएगी।

दो स्तरीय जांच-कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन करना चाहता है, तो उसे जिला मजिस्ट्रेट की अदालत में दो महीने पहले आवेदन करना होगा। यह अवधि स्पेशल मैरिज एक्ट-1954 में केवल एक महीने है। आवेदन में अपना नाम, माता-पिता का नाम, स्थायी पता, अस्थायी पता, उम्र, लिंग, वैवाहिक स्थित, पेशा, मासिक आय, जाति का ब्योरा देना होगा। इसके बाद पुलिस धर्म परिवर्तन के वास्तविक कारण और मकसद की जांच करेगी। इसके अलावा आवेदक को धर्मपरिवर्तन के 60 दिन के भीतर मजिस्ट्रेट को एक अलग से हलफनामा देना होगा। इसके बाद मजिस्ट्रेट आपत्ति दर्ज करने के लिए 21 दिन की नोटिस जारी करेंगे। इसके बाद ही धर्म परिवर्तन को मंजूर किया जाएगा।

100 साल पुराना विवाद-उत्तर प्रदेश में अंतरधार्मिक एकता का विवाद 100 साल पुराना है। 1920 के दशक में हिंदू महासभा और आर्य समाज ने पर्चे बांटकर आरोप लगाए थे कि मुस्लिम समुदाय हिंदू औरतों को अगवा कर रहे हैं। इस दौरान इसे 'हिंदू औरतों की लूट' के रूप में प्रचारित किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर चारु गुप्ता कहते हैं- इस दौरान मुस्लिम पुरुषों को निशाना बनाया गया और हिंदू औरतों के आचार-व्यवहार पर पाबंदी लगाई गई, इस दौरान मुस्लिम लीग के बढ़ते कद के कारण सामुदायिक संघर्ष भी देखने को मिले।

अंतरसामुदायिक विवाह

देश के ज्यादातर लोग अपने धर्म और जाति में ही विवाह करते हैं। समय बीतने के साथ अंतरजातीय विवाह के मामले बढ़े हैं, लेकिन अंतरधार्मिक विवाह के मामले में यह स्थिति नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

भारी पड़ता प्रदूषण

बढ़ते प्रदूषण को हमने अभी भी गंभीरता से लेना शुरू नहीं किया है और उसके नतीजे आए दिन हमें सताने लगे हैं। देश के एक बड़े इलाके में ठंड, कोहरे और प्रदूषण का आलम है। राष्ट्रीय राजधानी की अगर हम बात करें, तो वायु गुणवत्ता फिर एक बार खतरनाक स्तर पर है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 से ऊपर चल रहा है। दिल्ली से भी बुरी स्थिति गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, नोएडा और फरीदाबाद की है। इससे पता चलता है कि हम वायु प्रदूषण रोकने के प्रति बहुत समर्पित नहीं हैं। द लांसेट प्लेनेटरी हेल्थ में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, भारत में साल 2019 में वायु प्रदूषण के चलते 17 लाख मौतें हुईं, जो देश में होने वाली कुल मौतों का 18 प्रतिशत थीं। कुल मिलाकर, हमारी अर्थव्यवस्था पर भी इसका बड़ा असर पड़ रहा है। सकल घरेलू उत्पाद में हमें 1.4 प्रतिशत का नुकसान झेलना पड़ा है। यह सीधे-सीधे 2,60,000 करोड़ रुपये का नुकसान है। इतने भारी नुकसान के बावजूद हम प्रदूषण की अनदेखी कर रहे हैं। हम यही सोचते हैं कि हमारे अकेले के गंदगी फैलाने से क्या होता है? हम सफाई करने वालों और सरकारों पर जिम्मेदारी डालकर खुद को भुलावा देते हैं, जबकि प्रदूषण एक ऐसी कमी है, जिसका सामना खुद हमें भी करना पड़ता है। कहीं किसी को होने वाला छोटा फायदा हम सबके लिए एक बड़े नुकसान में बदल जाता है। इस अध्ययन में यह पता चलता है कि भारत में घरेलू वायु प्रदूषण घट रहा है, जिसके चलते 1990 से 2019 तक मृत्यु दर में 64 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि इसी अवधि में बाहरी वायु प्रदूषण से मृत्यु दर में 115 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसका मतलब है, घरों में साफ-सफाई बढ़ी है, भोजन बनाने के ईंधन से कम प्रदूषण हो रहा है और यह बहुत जरूरी भी है। प्रदूषण के खिलाफ सोच और सुधार की शुरुआत घर से ही हो, तो बेहतर है। गैस सिलेंडर की पहुंच आसान बनाने के साथ ही, उसकी कीमत कम रखना भी बहुत जरूरी है, ताकि गरीब लोग प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन का उपयोग कम से कम करें। जैसे घर में फैलने वाला प्रदूषण ज्यादातर महिलाओं के स्वास्थ्य को बिगाड़ अंतत- घर के बजट को बिगाड़ देता है, ठीक उसी तरह राज्य में होने वाला प्रदूषण राज्य के बजट को बिगाड़ता है। हमें इस पर गौर करना चाहिए। इस अध्ययन से पता चलता है, उत्तर भारत और मध्य भारत को प्रदूषण की वजह से सकल घरेलू उत्पाद में ज्यादा नुकसान हुआ है। सकल घरेलू उत्पाद को उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 2.2 प्रतिशत और बिहार में दो प्रतिशत का नुकसान हुआ है। सीधा-सा अर्थ है, भारत को वायु प्रदूषण नियंत्रण की गतिविधियों में निवेश बढ़ाना पड़ेगा। वायु प्रदूषण की रोकथाम में उन्हीं लोगों को लगाना होगा, जिनकी ईमानदारी असंदिग्ध है। चलताऊ ढंग से काम करने वाले और प्रदूषण को गंभीरता से न लेने वालों के लिए अब हमारी व्यवस्था में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। दुनिया के प्रदूषित देशों में हमारी गिनती होने लगी है। प्रदूषण भारतीयों के स्वास्थ्य व उत्पादकता, दोनों को प्रभावित कर रहा है। सबसे बड़ी चिंता यह कि कम विकसित राज्य वायु प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। जिन इलाकों में आबादी ज्यादा है, वहां प्रदूषण भी ज्यादा है। उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली जैसे राज्यों को मुस्तैदी से काम करना होगा, तभी हवा हमारा साथ देगी।

आज के ट्वीट

डोर

भक्ति आंदोलन वो डोर थी जिसने सदियों से संघर्षरत भारत को सामूहिक चेतना और आत्मविश्वास से भर दिया: PM

बाइडेन काल में बेहतर रिश्तों की उम्मीद

जी. पार्थसारथी

अमेरिका का हर नया राष्ट्रपति विदेश नीति क्रियान्वयन में अपनी निजी छाप छोड़ना चाहता है। भारत-अमेरिका संबंधों में सबसे खराब वक्त राष्ट्रपति बिल क्लिंटन का कार्यकाल रहा था, जो भारत पर परमाणु कार्यक्रम छोड़ देने का दबाव बना रहे थे। जहां एक ओर क्लिंटन लीक से हटकर चीन के साथ संबंध सुधारने को आतुर थे वहीं जम्मू-कश्मीर की हालत को बहाना बनाकर भारत के अंदरूनी मामलों में दखल देने से नहीं हिचक रहे थे। जबकि क्लिंटन के बाद आए जॉर्ज बुश (जूनियर) भारत के साथ सबसे ज्यादा दोस्ताना संबंध रखने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति थे। राष्ट्रपति बुश ने भारत पर लगे वैश्विक परमाणु प्रतिबंध हटवाने में मदद की थी। उनके बाद राष्ट्रपति बने बराक ओबामा ने हिंद-प्रशांत सुरक्षा स्थापना परिदृश्य के मद्देनजर भारत के साथ मित्रता वाली राह कायम रखी। निवर्तमान राष्ट्रपति ट्रंप ने बेशक भारत से आने वाले कृषि उत्पादों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाया था, किंतु सुरक्षा संबंधी मामलों में वे भी सहकार करते रहे। जो बाइडेन को बतौर संयुक्त राज्य अमेरिका का अगला राष्ट्रपति चुने जाने का दुनियाभर के लोगों और सरकारों ने स्वागत किया है। यह चुनाव कोविड-19 महामारी के बावजूद संपन्न हुए हैं, जिसकी वजह से अकेले अमेरिका में ही 1.7 करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं। अब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि बाइडेन और उनके मुख्य सहयोगी भारत को किस निगाह से देखते हैं। राष्ट्रपति ओबामा के साथ बतौर उपराष्ट्रपति रहते हुए बाइडेन स्वयं भारत की यात्रा पर आ चुके हैं लेकिन भारत के साथ संबंधों में उनकी सोच का सबसे उल्लेखनीय पहलू राष्ट्रपति बुश को लिखा वह पत्र है, जो उन्होंने सीनेट की विदेश मामलों पर कमेटी का अध्यक्ष रहते हुए लिखा था। इसमें उन्होंने भारत पर लगे परमाणु प्रतिबंधों को उठा लेने की सिफारिश की थी। बतौर उपराष्ट्रपति बाइडेन जुलाई 2013 में भारत की यात्रा पर आए थे। इसमें उन्होंने पर्यावरण बदलाव पर होने वाली संधि में भारत का सहयोग हासिल करने वाले अभियान का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया था। लिहाजा भारत ने पेरिस में सपन्न हुए विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन-2015 में अमेरिका का साथ दिया था। पेरिस में जिस उत्साह और संजीदगी से प्रधानमंत्री मोदी ने भाग लिया, उससे अमेरिका प्रभावित हुआ है। बाइडेन प्रशासन में तीन वरिष्ठ शख्सियतों का शामिल होना तय है, जिनके पास रक्षा और विदेश मामलों जैसे मुख्य विभाग होंगे। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर को भावी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन से बरतना होगा जो लंबे समय तक बाइडेन के सहायक रहे हैं। 9 जुलाई को भारत के साथ संबंधों को लेकर वाशिंगटन में अपनी बात रखते हुए ब्लिंकन ने कहा था : 'भारत के साथ संबंधों को मजबूत और प्रगाढ़ बनाना हमारी तरजीहों में काफी ऊपर है। दुनिया को दरपेश बड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए यह होना बहुत जरूरी है।' ब्लिंकन ने भारत के साथ रक्षा एवं औद्योगिक सहयोग बनाने की वकालत करते हुए यह भी कहा कि अगर समुचित ढंग से समझौता सिरे चढ़ पाया और क्रियान्वित हुआ तो यह भारत के रक्षा उत्पादन का रूपांतरण कर देगा। राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों के क्रियान्वयन के लिए भी बाइडेन ने अपनी टीम में पूरी तरह व्यावसायिक दक्षता से परिपूर्ण अधिकारी लिए हैं। 43 वर्षीय युवा जेक सलीवान बाइडेन के सुरक्षा सलाहकार बनेंगे। इससे पहले वे उपराष्ट्रपति रहते हुए बाइडेन और विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन के साथ काम कर चुके हैं। एक अन्य रोचक नियुक्ति जनरल लॉयड ऑस्टिन की बतौर रक्षा मंत्री होगी। इस पद पर पहुंचने वाले वे अफ्रीकी मूल के पहले अमेरिकी होंगे। इससे पहले जनरल ऑस्टिन संयुक्त राष्ट्र केंद्रीय कमान के मुख्य रह चुके हैं, जिनके निर्देशन में अफगानिस्तान में अमेरिकी सैन्य अभियान चला करते हैं। जाहिर है अफगानिस्तान में तालिबान के पीछे आईएसआई की क्या भूमिका है और ओसामा बिन लादेन को एबटाबाद के छावनी शहर में किसने छुपने में मदद की थी, यह सब उन्हें तफ्सील से बताया जाएगा। मेरी भारत सरकार को नेक सलाह है कि वह अमेरिका को पाकिस्तान के परमाणु हथियार और मिसाइल क्षमता बनवाने में चीन की लंबी समय से चली आ रही भूमिका से पूरी तरह अवगत करवाए। अलबत्ता, जम्मू-कश्मीर की स्थिति और नागरिकता संशोधन कानून का संदर्भ देते हुए ब्लिंकन ने कहा : 'भारत सरकार के कुछ काम जम्मू-कश्मीर में विचरण की आजादी और बोलने की स्वतंत्रता पर पाबंदी लगाते हैं। उन्होंने भारत में नये नागरिकता कानून के बारे में भी बात की है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि जब कभी अमेरिका ने मतभेद वाले विषयों पर बेबाक होकर सीधी राय जाहिर की है तब-तब भारत ने इन मुद्दों पर बेहतर ढंग से कारगुजारी कर दिखाई है, बेशक भारत अमेरिका के साथ मिलकर ज्यादा सहयोग करने की दिशा में काम कर रहा है ताकि रिश्तों को आगे ले जा जाया सके।' आगे बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि समूची नियंत्रण सीमा रेखा पर पाकिस्तान सीमापारीय आतंकवाद को किस हद तक बढ़ावा देगा। भारत अपेक्षा करता है कि अमेरिका पाकिस्तान पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए उससे यह सुनिश्चित करवाए कि वह भारत और अफगानिस्तान में आतंकवाद को मदद देना बंद करे। यहां भारत को सनद रहे कि मनोनीत उपराष्ट्रपति कमला हैरिस जम्मू-कश्मीर पर अलहदा विचार रखती हैं। संभवत: चीन और रूस के साथ अमेरिकी रिश्तों में बड़ा बदलाव होगा। प्रशांत और हिंद महासागर में अमेरिकी नौसैन्य उपस्थिति कायम रखने के साथ चीन के खिलाफ तीखी भंगिमा रखने में कमी आ सकती है। हालांकि राष्ट्रपति पुतिन के नेतृत्व वाले रूस के साथ वही रवैया रहेगा जो ट्रंप प्रशासन के समय अपनाया गया था। बाइडेन प्रशासन ट्रंप द्वारा ईरान पर लगाए प्रतिबंधों को भी हटाना चाहेगा। यह स्वागतयोग्य होगा क्योंकि अफगानिस्तान में तालिबान प्रायोजित आतंकवाद का मुकाबला करने में ईरान महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारत अमेरिका को यह स्पष्ट कर दे कि आने वाले महीनों में जम्मू-कश्मीर में एक चुनी हुई सरकार स्थापित करवाने को भारत कृतसंकल्प है। इसी बीच भारत को उम्मीद है कि बाइडेन प्रशासन ऐसा कुछ नहीं कहेगा या करेगा, जिससे कि पाकिस्तान को सीमापारीय आतंकवाद जारी रखने में मदद मिले। जम्मू-कश्मीर के नागरिक भी ठीक वैसी आजादी और जिम्मेवारी का आनंद लेते हैं जैसा कि शेष भारत के लोगों को मिली हुई है। उम्मीद है कि चीन की सीमा विस्तार संबंधी महत्वाकांक्षा और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर अमेरिका की नीतियां सुस्पष्ट होंगी। हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने में 'क्वाड' नामक गठजोड़ एक महत्वपूर्ण संस्था बन गई है। सूचनाओं के अनुसार ऐसे संकेत हैं कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन अपने देश में होने वाली आगामी जी-7 की बैठक में भाग लेने को क्वाड सदस्यों भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया को निमंत्रण देने जा रहे हैं। जी-7 विश्व के उन्नत औद्योगिक देश यानी यूके, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, जापान, इटली और कनाडा का समूह है। लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

ज्ञान गंगा

श्रीराम शर्मा आचार्य

आज की सुविधा, संपन्नता की प्राचीनकाल से तुलना की जाए और मनुष्य के सुख-संतोष को भी दृष्टिगत रखा जाए तो पिछले जमाने की असुविधा भरी परिस्थितियों में रहने वाले व्यक्ति अधिक सुखी और संतुष्ट जान पड़ेंगे। इन पंक्तियों में भौतिक प्रगति तथा साधन-सुविधाओं की अभिवृद्धि को व्यर्थ नहीं बताया जा रहा है, न उनकी निन्दा की जा रही है। कहने का आशय इतना भर है कि परिस्थितियां कितनी भी अच्छी और अनुकूल क्यों न हों, यदि मनुष्य के आंतरिक स्तर में कोई भी सुधार नहीं हुआ है तो सुख-शांति किसी भी उपाय से प्राप्त नहीं की जा सकती है। सर्वतोमुखी पतन और पराभव के इस संकट का निराकरण करने के लिए एक ही उपाय कारगर हो सकता है। वह है व्यक्ति और समाज का भावनात्मक परिष्कार। भावना स्तर में अवांछनीयताओं के घुस पड़ने से ही तमाम समस्याएं उत्पन्न हुई हैं, इन समस्याओं का यदि समाधान करना है तो सुधार की प्रक्रिया भी वहीं से प्रारम्भ करनी पड़ेगी, जहां से ये विभीषिकाएं उत्पन्न हुई हैं। अमुक-

नैतिक क्रांति

अमुक समाधान-सामयिक उपचार तो हो सकता है, पर चिरस्थाई समाधान के लिए आधार को ही ठीक करना पड़ता है। अधर्म का आचरण करने वाले असंयमी, पापी, स्वार्थी, कपटी, धूर्त और दुराचारी लोग शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य एवं धन-संपत्ति, यश-वैभव आदि सबकुछ खो बैठते हैं। उन्हें बाह्य जगत में घृणा और तिरस्कार तथा अंतरात्मा में धिक्कार ही उपलब्ध होते हैं। ऐसे लोग भले ही उपभोग के कुछ साधन इकट्ठे कर लें, पर उनका रोम-रोम अशांत रहता है। यदि वे कुछ पा भी लेते हैं तो उपभोग के पश्चात उनके लिए विषतुल्य-दुखदायक ही सिद्ध होता है। आत्मशान्ति पाने, सुसंयमित जीवन व्यतीत करने वाले मनुष्य को धर्ममय जीवनक्रम अपनाने के लिए तत्पर होना पड़ता है। नैतिकता, मानवता एवं कर्तव्यपरायणता को ही अपने जीवन में समाविष्ट करना होता है। इस प्रवृत्ति का व्यापक प्रसार करने के लिए किए गए प्रयत्नों को नैतिक क्रांति की संज्ञा दी जाती है। बुद्ध धर्म के प्रथम मंत्र 'धम्मं शरणं गच्छामि' में इसी नैतिक क्रान्ति की चिनगारी निहित है, इस मंत्र को लोकव्यापी बनाने के लिए जो प्रयत्न बौद्ध धर्मावलम्बियों ने किया था, उसे विशुद्ध नैतिक क्रान्ति ही कहा जएगा।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वायरसों के खौफ से दो-चार दुनिया

अभिषेक कुमार सिंह

साल भर से ज्यादा कोरोना के कहर को झेलते-झेलते सूचनाएं मिली थीं कि अमेरिका, ब्रिटेन के अलावा हमारे देश में भी 2021 की शुरुआत से कोविड-19 पर अंकुश लगाने वाली वैक्सीनों के इस्तेमाल से राहत मिलने की शुरुआत हो जाएगी, पर ब्रिटेन में वीयूआई-202012/01 नामक कोरोना का नया खतरनाक स्वरूप मिलने के साथ ही नयी खलबली मच गई है। हालांकि चिकित्सा विज्ञानी दिलासा दिला रहे हैं कि कोरोना की वैक्सीनें कोरोना के म्यूटेशन (उत्परिवर्तन) से पैदा हुए इस नये वायरस (स्ट्रेन) पर भी कारगर हो सकती है। लेकिन यह बात वे पूरी गारंटी के साथ नहीं कह रहे हैं। वजह है वायरसों (विषाणुओं) का वह खतरनाक इतिहास, जिसमें कोई-कोई वायरस म्यूटेट होने के बाद पहले से कई गुना ज्यादा ताकतवर होकर सामने आता है। कोरोना वायरस के नये स्ट्रेन ने फिर साबित किया है कि बीते कुछ दशकों से वायरसों की फौज के साथ मेडिकल साइंस का जो चूहे-बिल्ली का खेल शुरू हुआ है, वह अभी खत्म नहीं होने वाला है। असली राहत तभी मिलेगी जब दुनिया वायरसों की पैदावार की मूल वजहों का पता लगाएगी और अरबों-खरबों डॉलर का धंधा करने वाली फार्मा इंडस्ट्री पर से अपनी निर्भरता खत्म करेगी। आखिर ये वायरस कहां से आ रहे हैं। दरअसल, जिस तरह इनसान ने पृथ्वी पर हर परिस्थिति और वातावरण में ढलना सीख लिया, उसी प्रकार वायरसों ने एंटीबायोटिक्स से समायोजन करना और एक जीव प्रजाति से दूसरी जीव प्रजाति में छलांग लगाना सीख लिया है। कुछ मामलों में तो बैक्टीरिया ने एंटीबायोटिक को नष्ट करने की क्षमता रखने वाले एंजाइम तक बनाने सीख लिए हैं लेकिन सच यह है कि महामारी तक बन जाने वाली ऐसी भीषण बीमारियों के प्रसार की रोकथाम न कर पाना और उनकी पैदावार के अनुकूल लापरवाहियां छोड़ देना हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। शुक्र है कि भारत कोरोना वायरस से फैलने वाली महामारी कोविड-19 का जनक देश नहीं रहा, अन्यथा विकसित मुल्क भारत के गंदगी भरे दृश्यों के आधार पर आसानी से हमें इसका दोषी ठहरा सकते थे। लेकिन कोरोना ने इन सारी तैयारियों का खोखलापन जाहिर कर दिया और यह सवाल हमारे सामने छोड़ दिया है कि आखिर ये वायरस आ कहां से रहे हैं। संक्रमण के बाद कहा गया कि वुहान की सी-फूड मार्केट इसका जनक है। एक संदेह इस बारे में चीन की खुफिया जैविक हथियारों की फैक्टरी को लेकर भी किया गया। दावा किया गया कि वुहान शहर में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में खतरनाक वायरसों पर काम होता रहा है। फिर भी कोरोना वायरस के पैदा होने की असली वजह शायद ही कभी पता चल सके। कोरोना से पहले बर्ड और स्वाइन फ्लू और इबोला जैसे वायरसों से जुड़ी यह समस्या सामने आ चुकी है कि इन बीमारियों के वायरसों ने म्यूटेशन का रुख अपनाया था। इसका मतलब यह है कि दवाओं के खिलाफ ये अपने अंदर प्रतिरोधी क्षमता विकसित कर लेते हैं और मौका पड़ने पर अपना स्वरूप बदल लेते हैं, जिससे दवाइयां और टीके उसके खिलाफ कारगर नहीं रह पाते हैं। मेडिकल साइंस कहती है कि ज्यादातर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने माइक्रोब्स (रोगाणुओं) के जीवन चक्रों को समझने की कोशिश नहीं की या संक्रमण की कार्यप्रणाली को नहीं जाना। नतीजतन, हम संक्रमण की श्रृंखला तोड़ने में ही नाकाम नहीं हुए, बल्कि कुछ मामलों में तो इसे और मजबूत ही बनाया गया है। कुछ वायरसों जैसे बर्ड फ्लू, स्वाइन फ्लू, इबोला, डेंगू बुखार और एचआईवी-एड्स से होने वाली मौतों में बीते तीन-चार दशकों में कई गुना बढ़ोतरी हो चुकी है। चिंता जतायी जा रही है कि जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया के ग्लेशियरों के तेजी के साथ पिघलने से उनके हजारों वर्षों से दबे वायरस और बैक्टीरिया फूट पड़े हैं । इसके दो बड़े सबूत मिल चुके हैं। पहला मामला अलास्का के टुंड्रा क्षेत्र में दफनाए गए शवों का है, जिनमें विज्ञानियों को 1918 के स्पेनिश फ्लू के अवशेष मिले थे। दूसरा सबूत तिब्बत ग्लेशियर की 15 हजार साल पुरानी बर्फ में मिला, जहां 2015 में अमेरिका स्थित ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी और लॉरेंस बर्कले नेशनल लेबोरेटरी के शोधकर्ताओं की एक टीम ने प्राचीन वायरसों का 33 समूहों को मौजूद पाया। कह सकते हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों के पिघलने से सिर्फ समुद्र का जलस्तर ही नहीं बदल रहा है, बल्कि वायरसों की एक नयी फौज को मानव सभ्यता के सामने तैनात कर रहा है। साफ-सफाई का अभाव, खानपान की खराब आदतें (जिनमें किसी भी जीव का मांस खा लेना एक खतरनाक फैशन है) और प्रकृति के खिलाफ उसे ही चुनौती देना- इन सारी वजहों से भी बीमारियों और खतरनाक वायरसों की पैदावार बढ़ी है। इसके अलावा एक भूमिका मेडिकल-फार्मा इंडस्ट्री की भी हो सकती है क्योंकि दवाओं और वैक्सीनों के नाम पर यह इंडस्ट्री हर साल अरबों-खरबों डॉलर का खेल करती है। सोचना यह भी होगा कि कहीं यह सारा प्रपंच जैव-आतंकवाद का तो नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री करेंगे कोच्चि-मंगलुरु गेल पाइपलाइन का वर्चुअल उद्घाटन

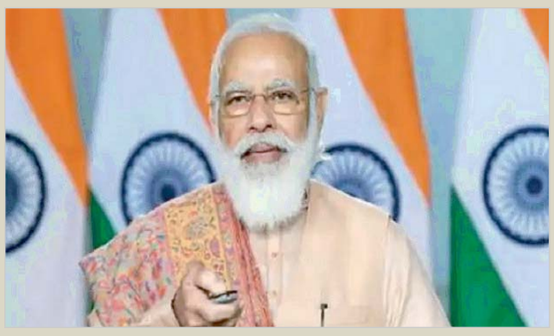

नेशनल डेस्क: केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच जनवरी को कोच्चि-मंगलुरु गेल पाइपलाइन का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। विजयन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि प्रधानमंत्री प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना का उद्घाटन करने के लिए सहमत हो गए हैं। उन्होंने कहा, ''कल केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने फोन किया। उन्होंने सूचना दी कि प्रधानमंत्री पांच जनवरी को कोच्चि-मंगलुरु गेल पाइपलाइन का वर्चुअल उद्घाटन करने को सहमत हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह खुशी की बात है कि जिस परियोजना के बारे में माना जा रहा था कि यह कभी पूरी नहीं होगी, अंततः तैयार हो गई और प्रधानमंत्री स्वयं इसका उद्घाटन कर रहे हैं। इस 444 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन परियोजना की शुरुआत 2,915 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 2009 में हुई थी और इसे 2014 तक पूरा किया जाना था। विलंब के चलते इसकी लागत लगभग दुगुनी 5,750 करोड़ रुपये की हो गई।

रुपया 21 पैसे की तेजी के साथ 73.55 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ

मुंबई, रुपये में लगातार दूसरे दिन तेजी जारी रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश का प्रवाह बने रहने और घरेलू शेयर बाजार की तेजी के बीच अंतर बृहस्पतिवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपया 21 पैसे की तेजी के साथ 73.76 55 पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में डॉलर के कमजोर होने तथा ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के ब्रेक्जिट समझौते पर जल्दी ही सहमत होने की उम्मीदों के बीच बाजार में उत्साह बढ़ा हुआ था। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर प्रति डालर 73.66 पर खुली। दिन में यह ऊंचे में 73.54- 73.66 के बीच चलती रही। अंत में रुपया प्रति डालर21 पैसे की तेजी के साथ 73.55 रुपये प्रति डालर पर बंद हुआ। बुधवार को बाजार 73.76 रुपये प्रति डालर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डालर की स्थिति बताने वाला डालर इंडेक्स 0.20 प्रतिशत टूटकर 90.23 पर बंद हुआ। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 529.36 अंक की तेजी दर्शाता 46,973.54 पर बंद हुआ। शेयर बाजार के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल बने रहे जहां बुधवार को उन्होंने 536.13 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीद की। इस बीच वैश्विक बाजार में ब्रेंट कच्चा तेल भाव 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ भाव 51.02 डालर प्रति बैरल पर बोला गया।

सोने में 385 रुपये की तेजी, चांदी में 1,102 रुपये का उछाल

नयी दिल्ली, बहुमूल्य धातुओं की वैश्विक कीमतों में तेजी को दर्शाते स्थानीय सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोना 385 रुपये की तेजी के साथ 49,624 रुपये प्रति दस ग्राम हो गया। इससे पहले बुधवार को सोने का भाव 49,239 रुपये प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी का भाव भी 1,102 रुपये बढ़कर 66,954 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। इससे पिछले दिन यह 65,852 रुपये प्रति किलो पर बंद हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ के साथ 1,878 डालर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 25.80 डालर प्रति औंस पर अपरिवर्तित रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के जिंस प्रभाग के वरिष्ठ विश्लेषक तपन पटेल ने कहा, ''पिछले उतर चढ़ाव भरे कारोबार के बाद डॉलर के कमजोर होने से सोने की कीमतों में तेजी आई। नये कोरोना वायरस प्रकोप के बाद महामारी संकट के बढ़ने की चिंता तथा उसके बाद लागू किये गये लॉकडाऊन से सोने की कीमतों में तेज रही।''

प्रधानमंत्री जम्मू कश्मीर के सभी निवासियों के लिये शुरू करेंगे आयुष्मान भारत योजना

नयी दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को वीडियो कांफ्रेन्स के जरिये जम्मू कश्मीर के सभी निवासियों के लिये स्वास्थ्य बीमा आयुष्मान भारत योजना की शुरूआत करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि योजना सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा सुनिश्चित करेगी। इसमें वित्तीय जोखिम संरक्षण उपलब्ध कराने पर जोर होगा तथा इसके जरिये सभी लोगों और समुदायों के लिये गुणवत्तापूर्ण और सस्ती जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जाएगी। गृहमत्री अमित शाह और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा भी इस मौके पर मौजूद रहेंगे। पीएमओ के अनुसार योजना के तहत जम्मू कश्मीर के सभी लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवर उपलब्ध कराया जाएगा।

इसके अंतर्गत प्रति परिवार 5 लाख रुपये का वित्तीय कवर उपलब्ध कराया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार योजना का लाभ देश भर में कहीं भी लिया जा सकता है। प्रधानमंत्री जन-आरोग योजना (पीएम-जेएवाई) के तहत पैनल में शामिल अस्पताल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएंगे।

पीएम मोदी 28 दिसंबर को पहली ड्राइवरलेस मेट्रो को दिखाएंगे हरी झंडी

नेशनल डेस्क: प्रधानमंत्री मोदी 28 दिसंबर को दिल्ली मेट्रो की मेजेंटा लाइन पर देश की पहली पूर्ण-स्वचालित चालकरहित ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर यात्रा के लिए नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) भी जारी करेंगे। दिल्ली मेट्रो ने 25 दिसंबर, 2002 को अपने व्यावसायिक संचालन की शुरुआत की थी, जिसके एक दिन पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने डीएमआरसी के शाहदरा से तीस हजारी तक 8.2 किलोमीटर लंबे पहले खंड का उद्घाटन किया था, जिसमें सिर्फ छह स्टेशन थे। डीएमआरसी की अब 242 स्टेशनों के साथ 10 लाइनें हैं और हर दिन दिल्ली मेट्रो में औसतन 26 लाख से अधिक यात्री सफर करते हैं।

नए साल से वाहनों के लिए फास्टैग अनिवार्य होगा : गडकरी

नयी दिल्ली,

वाहनों के लिए नए साल यानी एक जनवरी, 2021 से फास्टैग अनिवार्य होगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। फास्टैग की शुरुआत 2016 में हुई थी। यह टोल प्लाजा पर शुल्क का भुगतान इलेक्ट्रॉनिक तरीके से करने की सुविधा है। फास्टैग को अनिवार्य किए जाने के बाद टोल प्लाजा पर वाहनों को रुकना नहीं पड़ेगा और टोल शुल्क का भुगतान इलेक्ट्रॉनिक तरीके से हो जाएगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बयान में कहा है कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने घोषणा की है कि नए साल से सभी वाहनों के लिए फास्टैग अनिवार्य होगा। गडकरी ने बृहस्पतिवार को एक वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि फास्टैग यात्रियों के लिए काफी लाभदायक होगा क्योंकि उन्हें टोल प्लाजा पर नकद भुगतान के लिए रुकना नहीं पड़ेगा। इससे अलावा इससे समय और ईंधन की भी बचत होगी। फास्टैग की शुरुआत 2016 में हुई थी और चार बैंकों ने उस साल सामूहिक रूप से एक लाख टैग जारी किए थे। उसके बाद 2017 में सात लाख और 2018 में 34 लाख फास्टैग जारी किए गए। मंत्रालय ने इस साल नवंबर में अधिसूचना जारी कर एक जनवरी, 2021 से पुराने वाहनों या एक दिसंबर, 2017 से पहले के वाहनों के लिए भी फास्टैग को अनिवार्य कर दिया। केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के अनुसार एक दिसंबर, 2017 से नए चार पहिया वाहनों के पंजीकरण के लिए फास्टैग को अनिवार्य किया गया है। इसके अलावा परिवहन वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र के लिए संबंधित वाहन का फास्टैग जरूरी है। राष्ट्रीय परमिट वाले वाहनों के लिए फास्टैग को एक अक्टूबर, 2019 से अनिवार्य किया गया है। नए तीसरे पक्ष बीमा के लिए भी वैध फास्टैग को अनिवार्य किया गया है। यह एक अप्रैल, 2021 से लागू होगा।

वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख से सेंसेक्स 529 अंक और चढ़ा, निफ्टी 13,700 अंक के पार

मुंबई,

रिलायंस इंडस्ट्रीज और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में तेजी से स्थानीय शेयर बाजारों में बढ़त का सिलसिला बृहस्पतिवार को लगातार तीसरे दिन जारी रहा और सेंसेक्स 529 अंक और चढ़ गया। ब्रेक्जिट व्यापार करार को लेकर संभावनायें बढ़ने से वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख से भी यहां धारणा मजबूत हुई। कारोबारियों ने कहा कि रुपये की मजबूती तथा विदेशी कोषों के सतत प्रवाह से भी बाजार को रफ्तार मिली। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 529.36 अंक या 1.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 46,973.54 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 148.15 अंक या 1.09 प्रतिशत के लाभ से 13,749.25 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एक्सिस बैंक का शेयर सबसे अधिक 3.04 प्रतिशत चढ़ गया। सन फार्मा, ओएनजीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस और कोटक बैंक के शेयर भी लाभ में रहे। सेंसेक्स की बढ़त में आधे से अधिक योगदान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक का रहा। वहीं दूसरी ओर इन्फोसिस, नेस्ले इंडिया, इंडसइंड बैंक, डॉ. रेड्डीज, एचसीएल टेक और बजाज फिनसर्व के शेयर 1.32 प्रतिशत तक टूट गए। चार कारोबारी दिवस वाले इस सपताह में सेंसेक्स 12.85 अंक या 0.02 प्रतिशत लाभ में रहा। वहीं निफ्टी 11.30 अंक या 0.08 प्रतिशत गिरावट में रहा। शुक्रवार को क्रिसमस पर बाजारों में अवकाश रहेगा। ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के बीच ब्रेक्जिट करार होने को है, जिससे वैश्विक बाजारों में तेजी का रुख रहा। कोटक सिक्योरिटीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं बुनियादी शोध प्रमुख रुस्मिक ओझा ने कहा, ''यह एक छोटा लेकिन काफी घटनाक्रमों वाला सप्ताह रहा और शेयर मूल्यों में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। सोमवार को जबर्दस्त 'गिरावट' के बाद तीन कारोबारी सत्रों में बाजार चढ़ा। मासिक निपटान की वजह से भी बाजार में उतार-चढ़ाव रहा।'' उन्होंने कहा कि इन्फोसिस और विप्रो द्वारा इस सप्ताह बड़े करारों की घोषणा से आईटी कंपनियों के शेयर एक बार फिर आकर्षण के केंद्र में रहे। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में 0.59 प्रतिशत तक का लाभ रहा। अन्य एशियाई बाजारों में सियोल, हांगकांग और तोक्यो सकारात्मक रुख के साथ बंद हुआ। वहीं शंघाई में गिरावट रही। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार बढ़त में थे। इस बीच, वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.48 प्रतिशत के नुकसान से 51.04 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 21 पैसे की बढ़त के साथ 73.55 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। शेयर बाजारों के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने बुधवार को शुद्ध रूप से 536.13 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

गडकरी ने राजस्थान में 8,341 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन किया, आधारशिला रखी

नयी दिल्ली,

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को राजस्थान में 8,341 करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया और आधारशिला रखी। वीडियो कांफ्रेन्स के जरिये आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सड़क परिवहन, राजमार्ग और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) मंत्री ने यह भी कहा कि एक लाख करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजनाओं पर काम या तो जारी है या फिर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के स्तर पर है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''सड़क परिवहन, राजमार्ग और एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने राजस्थान में आज (बृहस्पतिवार) को 18 राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया और आधारशिला रखी।'' कुल 8,341 करोड़ रुपये के निर्माण मूल्य वाली परियोजनाओं के अंतर्गत आने वाली सड़कों की लंबाई करीब 1,127 किलोमीटर है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने की। केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, वी के सिंह, अर्जुन राम मेघवाल और कैलाश चौधरी तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्द्धन राठौड़ के साथ राज्य के कई मंत्री भी कार्यक्रम में शामिल हुए। बयान के अनुसार इन परियोजनाओं से राज्य के भीतर और दूसरे राज्यों में वाणिज्यिक वस्तुओं का परिवहन सुगम होगा, सीमाओं तक संपर्क व्यवस्था बेहतर होगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और पर्यटन तथा अन्य ढांचागत विकास को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर या तो काम जारी है या फिर डीपीआर के चरण में हैं। उन्होंने कहा, ''मंत्रालय का 2021-22 तक 35,000 करोड़ रुपये की लागत से 2,700 किलोमीटर लंबी राजमार्ग परियोजनाओं को पूरा करने का लक्ष्य है। इसके अलावा 30,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 2,500 किलोमीटर सड़क मार्ग 2023-24 तक पूरा होगा।'' इसके अलावा 50,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 2,811 किलोमीटर सड़क मार्ग के लिये डीपीआर तैयार की जा रही है। गडकरी ने राज्य सरकार को राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्ग के नेटवर्क के विकास में पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। मंत्री ने कहा कि वर्ष 2000 से केंद्रीय सड़क और बुनियादी ढांचा कोष (सीआरआईएफ) से राज्य के लिये 6,556 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गयी है। इसमें से 4,574 करोड़ रुपये अब तक जारी किये जा चुके हैं। मंत्री ने सीआरआईएफ के तहत चालू वर्ष के लिये 1,000 करोड़ रुपये की घोषणा की जबकि सालाना राशि केवल 615 करोड़ रुपये थी। उन्होंने कहा कि पिछले छह साल में राजस्थान में सड़क निर्माण में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई फिलहाल 10,661 किलोमीटर है। गडकरी के अनुसार भारतमाला परियोजना के तहत 32,302 करोड़ रुपये की 1,976 किलोमीर की परियोजनाओं पर का किया जाएगा। इसमें से 800 किलोमीटर की 14 परियोजनाओं पर डीपीआर तैयार की जा रही है।

अडाणी पावर ने ओड़िशा पावर जनरेशन कॉरपोरेशन में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का समझौता समाप्त किया

नयी दिल्ली,

अडाणी पावर ने बृहस्पतिवार को कहा कि एईएस कॉरपोरेशन से ओड़िशा पावर जनरेशन कॉरपोरेशन (ओपीजीसी) में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का समझौता रद्द हो गया है। ओड़िशा सरकार की ओपीजीसी में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उसने एईएस की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए पहले इनकार के अधिकार (आरओएफआर) का उपयोग किया है। अडाणी पावर ने इस साल जून में एईएस ओपीजीसी होल्डिंग और एईएस इंडिया प्राइवेट लि. (दोनों विक्रेता) से ओपीजीसी में 89,30,237 इक्विटी शेयर खरीदने को लेकर शेयर बिक्री और खरीद समझौता किये जाने की घोषणा की थी। यह कुल जारी, चुकता और अधिकृत शेयर पूंजी का 49 प्रतिशत है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बीएसई को दी सूचना में कहा, ''विक्रेताओं ने 24 दिसंबर, 2020 को सूचित किया कि ओड़िशा सरकार ने ओपीजीसी में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिये पहले इनकार का अधिकार का उपयोग किया है। इसके अनुसार, विक्रेताओं ने ओपीजीसी में एईएस की हिस्सेदारी ओड़िशा सरकार द्वारा अधिकृत एजेंसी को हस्तांतरित कर दी है।

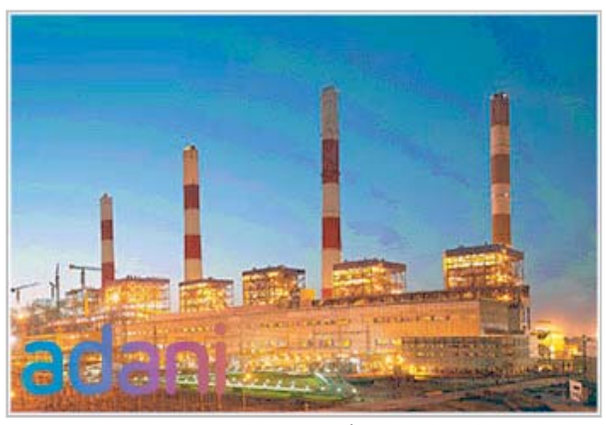

इसके बाद शेयर खरीद समझौता प्रभाव में नहीं रह गया है।'' ओपीजीसी ओड़िशा के झारसुगुडा जिले में बनहारपल्ली में 1,740 मेगावाट तापीय बिजली संयंत्र का परिचालन करती है।

अर्थव्यवस्था में तेजी से हो रहा सुधार, तीसरी तिमाही में सकारात्मक दायरे में होगी- आरबीआई लेख

मुंबई.

देश की अर्थव्यवस्था विभिन्न अनुमानों की तुलना में तेजी से कोविड-19 महामारी के दुष्प्रभाव से बाहर आ रही है और आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में ही सकारात्मक दायरे में आ जाएगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अधिकारियों के एक लेख में यह कहा गया है। इसमें कहा गया है, ''...इस बात के कई साक्ष्य हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड-19 महामारी के कारण गहरे गर्त से तेजी से बाहर आ रही है। यह सर्दियों की लंबी छाया से बाहर निकलते हुए सूरज के उजाले की ओर बढ़ रही है ... सरकार के मौद्रिक एवं राजकोषीय प्रोत्साहन उपायों के जरिये अनुमानों के विपरीत अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है।'' कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित भारतीय अर्थव्यवस्था में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 23.9 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आयी। वहीं दूसरी तिमाही में गिरावट कम होकर 7.5 प्रतिशत रही। रिपोर्ट का हवाला देते हुए लेख में कहा गया है, ''वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर तीसरी तिमाही में सकारात्मक दायरे में आ सकती है। हालांकि, इस दौरान यह वृद्धि दर केवल 0.1 प्रतिशत रह सकती है।'' इसमें कहा गया है कि दो महत्वपूर्ण कारक अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। लेख में कहा गया है, ''पहला, भारत में कोविड संक्रमण की दर कम हुई है। सितंबर के मध्य से स्थानीय स्तर पर कुछ मामलों में वृद्धि को छोड़ दिया जाए तो इसमें गिरावट की प्रवृत्ति है इससे निवेश और खपत मांग को समर्थन मिल रहा है।'' इसके अनुसार, ''प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज में उपभोग व्यय से आत्मनिर्भर भारत 2.0 और 3.0 में निवेश खर्च पर ध्यान देकर राजकोषीय उपायों के जरिये एक महत्वपूर्ण बदलाव लाया गया।'' महत्वपूर्ण आंकड़ों (पीएमआई, बिजली खपत, माल ढलाई, जीएसटी) के आधार पर यह पता चलता है कि आर्थिक गतिविधियों में 2020-21 की दूसरी छमाही से जो तेजी आयी है, वह आगे भी बनी रहेगी।

सर्वाधिक जीएसटी संग्रह वाला राज्य भी बने उत्तर प्रदेश : मुख्यमंत्री

लखनऊ,

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश जीएसटी संग्रह के लिहाज से भी देश में अव्वल होना चाहिये। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने वाणिज्य कर विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य होने के साथ-साथ देश के सर्वाधिक उपभोक्ताओं वाला प्रदेश भी है, लिहाजा यहां जीएसटी संग्रह भी सबसे ज्यादा होना चाहिए। इस दिशा में प्रभावी प्रयास करते हुए जीएसटी संग्रह में वृद्धि की जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व प्राप्ति के सम्बन्ध में सभी स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए और राजस्व चोरी में शामिल तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। राजस्व संग्रह के कार्य में तकनीक का व्यापक उपयोग किया जाए। तकनीक का इस्तेमाल राजस्व की वसूली के साथ इसकी चोरी रोकने में भी सहायक सिद्ध हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी संग्रह के लिए सभी व्यापारियों का पंजीयन कराया जाना सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कम से कम 25 लाख व्यापारियों का जीएसटी रजिस्ट्रेशन होना चाहिए। राज्य में जीएसटी के तहत पंजीकृत व्यापारी के लिए 10 लाख रुपये के मुफ्त बीमे की व्यवस्था है। जी0एस0टी0 में रजिस्ट्रेशन होने से भविष्य में किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ता। व्यापारियों को इस सम्बन्ध में जागरूक करते हुए अधिक से अधिक व्यापारियों को रजिस्ट्रेशन के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाए।

योगी ने प्रयागराज, अयोध्या, गौतमबुद्धनगर, गोरखपुर, गाजियाबाद, लखनऊ और मेरठ जोन में कार्यरत अपर वाणिज्य कर आयुक्तों से रिटर्न फाइलिंग के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि वैट की बकाया धनराशि की वसूली के लिए ओटीएस योजना फिर से लागू की जाए।

भारत ने वोडाफोन मामले में मध्यस्थता न्यायाधिकरण के आदेश को सिंगापुर अदालत में चुनौती दी

नयी दिल्ली.

भारत ने वोडाफोन ग्रुप मामले में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण के आदेश को सिंगापुर अदालत में चुनौती दी है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। न्यायाधिकरण ने भारत सरकार की कंपनी से पूर्व की तिथि से 22,100 करोड़ रुपये की कर मांग को खारिज कर दिया था।

मामले से जुड़े दो सूत्रों ने कहा कि भारत के पास न्यायाधिकरण के आदेश को चुनौती देने के लिये 90 दिन का समय था और इसके आधार पर सिंगापुर अदालत में इस सप्ताह की शुरूआत में चुनौती दी गयी।

अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत ने ब्रिटेन की दूरसंचार कंपनी के 2007 में भारतीय इकाई के अधिग्रहण से जुड़े मामले में 25 सितंबर को कर विभाग की 22,100 करोड़ रुपये की पूर्व प्रभाव से कानून को लागू करके कर और जुर्माने की मांग को खारिज कर दिया था।

इस अपील के साथ सरकार के लिय तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण के आदेश को हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता अदालत में चुनौती देने का रास्ता साफ हो गया है। न्याधिकरण ने ब्रिटेन की तेल एवं गैस कंपनी केयर्न एनर्जी पीएलसी को 1.4 अरब डॉलर लौटाने को कहा है। सरकार ने दोनों मामलों में 2012 के कानून का उपयोग किया। इसमें कर प्राधिकरण को पिछले मामलों को खोलने और कई साल पहले हुए कथित पूंजी लाभ के एवज में वोडाफोन और केयर्न से कर मांगने का अधिकार दिया गया था। दोनों वोडाफोन और केयर्न ने द्विपक्षीय निवेश संरक्षण समझौतों के तहत कर मांग को चुनौती दी थी और मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की थी। सूत्रों के अनुसार सरकार का मानना है कि विभिन्न देशों के साथ निवेश संरक्षण संधि के तहत कराधान का मामला नहीं आता और कराधान कानून देश का संप्रभु अधिकार है। संधियों का मुख्य मकसद निवेश को संरक्षित करना है जबकि कर कंपनियों की कमाई पर लगाया जाता है।

इस बारे में वोडाफोन समूह ने कुछ भी कहने से मना कर दिया है। वोडाफोन ने नीदरलैंड-भारत द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) के तहत मध्यस्थता न्यायाधिकरण के समक्ष पूंजी लाभ पर कर के रूप में 7,990 करोड़ रुपये (ब्याज और जुर्माने के बाद 22,100 करोड़ रुपये) की मांग को चुनौती दी थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीएफआई अधिकारियों, ईसी सदस्यों का कार्यकाल 3 महीने बढ़ा

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने गुरुवार एक आपात बैठक बुलाई, जिसमें फैसला लिया गया कि अध्यक्ष पद के चुनाव की नई तारीख आने तक मौजूदा अधिकारी और कार्यकारी समिति के सदस्य अपना कामकाज देखते रहेंगे। बीएफआई ने एक बयान जारी कर कहा है कि अध्यक्ष अजय सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस हुई आपात बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि अधिकारियों और ईसी सदस्यों का कार्यकाल बढ़ाने के अलावा एजीएम और चुनाव के लिए फरवरी 2021 की समय सीमा रखी गई है। इस बैठक में बीएफआई से संबंद्ध राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों से जुड़े संघों के अधिकारी शामिल हुए। बयान के मुताबिक, यह फैसला लिया गया कि मौजूदा अधिकारियों और ईसी सदस्यों का कार्यकाल तीन महीने तक या चुनाव होने तक बढ़ाया जा रहा है। साथ ही एजीएम फरवरी 2021 में कराने का फैसला लिया गया, अगर फिजिकल मीटिंग संभव नहीं हुई तो एजीएम और चुनाव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कराया जा सकता है। यह भी फैसला लिया गया है कि चुनाव और उससे संबंधित प्रक्रियाओं को लेकर रिटर्निंग आफिसर से सलाह के बाद लिया जाएगा और निदेशक प्रशासन एक एफिडेविट के माध्यम से माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय को इस बात की जानकारी देंगे।

क्या एमसीजी में आस्ट्रेलिया को हरा पाएगा भारत?

मेलबर्न।

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच जारी चार मैचों की टेस्ट सीरीज का फोकस अब मेलबर्न पर शिफ्ट हो गया है, जहां 26 दिसम्बर से दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। चार मैचों की सीरीज में मेजबान टीम 1-0 से आगे है। आस्ट्रेलिया ने एडिलेड में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में भारत को 8 विकेट से हराया था। भारतीय टीम दूसरी पारी में 36 रनों पर आउट हो गई थी, जो टेस्ट क्रिकेट में उसका न्यूनतम योग है। उस मैच में कप्तान विराट कोहली ने 74 रनों की पारी खेली थी। अब कोहली टीम के साथ नहीं हैं। वह पहले बच्चे के जन्मे के लिए स्वदेश लौट चुके हैं। उनकी गैरमौजूदगी में अजिंक्य रहाणे टीम की कमान सम्भालेंगे। इस टीम में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी नहीं होंगे। शमी कलाई टूटने के बाद स्वदेश लौट चुके हैं। दो अहम खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में अब भारत के सामने सीरीज में वापसी करने का कठिन होमवर्क है। ऐसे में यह देखना जरूरी है कि भारत का मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर रिकार्ड क्या रहा है। भारत ने यहां अब तक कुल 13 टेस्ट खेले हैं, जिनमें से वह आठ हार गया है। आस्ट्रेलिया आकर खेलने वाली दूसरी टीमों की तुलना में इस मैदान पर भारत का रिकार्ड बेहतर है और इसी कारण यह मानकर चला जा सकता है कि भारतीय टीम अगर अपनी क्षमता के साथ न्याय करने में सफल रही तो वह आस्ट्रेलिया को हरा सकती है। भारत ने मेलबर्न में तीन मैच जीते हैं और दो ड्रॉ भी किए हैं। साल 2018 में भारत के लिए चेतेश्वर पुजारा ने इस मैदान पर शनदार शतक लगाया था। पुजारा मौजदा टीम का हिस्सा हैं और कोहली की गैरमौजूदगी में उनकी जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऐसे में उनके एक बड़ी पारी की उम्मीद की जा रही है।

अगर दूसरी तरह से देखा जाए तो बीते कुछ सालों में भारत में आस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन किया है। 2018-19 में भारत ने आस्ट्रेलिया को उसके घर में हराया था और मेलबर्न में मिली जीत इसमें अहम रोल निभाती है। बीते दो मैचों की बात की जाए तो भारत इस मैदान पर हारा नहीं है। 2018 की याद भारतीय खिलाड़ियों के जेहन में अभी भी ताजा है और उस जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को एक बार फिर मैच जिताऊ प्रदर्शन करना होगा। बुमराह ने मेलबर्न में साल 2018 में कुल नौ

विकेट लिए थे और आस्ट्रेलिया को 137 रनों की करारी शिकस्त को बाध्य किया था। इसके अलावा साल 2014 में भारत ने आस्ट्रेलिया को इस मैदान पर ड्रॉ पर रोका था और उस मैच में कोहली के अलावा रहाणे ने अपनी चमक बिखेरी थी। रहाणे ने पहली पारी में शतक लगाने के अलावा दूसरी पारी में अहम 48 रन बनाए थे।

अब रहाणे टीम के कप्तान हैं और उम्मीद है कि वह अपनी टीम को बल्ले से प्रेरित करने के अलावा मनोवैज्ञानिक तौर पर एक और जीत के लिए तैयार करेंगे।

सनवे सिट्जस इंटरनेशनल शतरंज भारत के लियॉन को दसवां स्थान ,बने सर्वश्रेष्ठ जूनियर

सिट्जस,स्पेन (निकलेश जैन)

ऑन द बोर्ड हो रहे प्रतिष्ठित सन वे सिट्जस इंटरनेशनल टूर्नामेंट का समापन हो गया है और प्रतियोगिता मे खेल रहे भारत के 14 वर्षीय युवा इंटरनेशनल मास्टर लियॉन मेन्दोंसा नें आखिरी पाँच राउंड मे अपने बेहतरीन खेल की दम पर शीर्ष 10 मे स्थान बनाते हुए टूर्नामेंट का समापन किया और साथ सबसे बेहतरीन जूनियर खिलाड़ी होने का खिताब भी अपने नाम किया । लियॉन नें अंतिम पाँच राउंड मे स्पेन के लिन यिनगूइ और जॉर्जिया की ग्रांड मास्टर नीनों बटसइशवली के उपर बेहतरीन जीत समेत कुल 3 जीत दर्ज की जबकि दो मुक़ाबले ड्रॉ खेले और कुल 4 अंक जोड़े और 10 राउंड के बाद 7 अंक बनाकर छठे से 12 वे स्थान के लिए टाईब्रेक मे उन्हे दसवां स्थान हासिल हुआ । प्रतियोगिता का खिताब बुल्गारिया के ग्रांड मास्टर इवान चेपरिनोव नें कुल 8 अंक बनाकर अपने नाम किया अंतिम राउंड मे फ्रांस के ग्रांड मास्टर कोरनेते मथ्यु पर उनकी जीत बेहद खास रही । अन्य खिलाड़ियों मे 7.5 अंक बनाकर फ्रांस के जुलेस मोसर्द दूसरे ,स्पेन के जैम संटोस तीसरे ,ब्राज़ील के अलेक्जेंडर फेयर चौंथे और रोमानिया के नेवेदनीचय व्लादिसलाव पांचवें स्थान पर रहे

राउरकेला में बनेगा भारत का सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम, मिलेगी 2023 विश्व कप के मैचों की मेजबानी

भुवनेश्वर । ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने गुरूवार को भारत का सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम राउरकेला में बनाए जाने की घोषणा की और 20000 दर्शक क्षमता वाले इस स्टेडियम में एफआईएच पुरूष विश्व कप 2023 के मैच खेले जाएंगे। करीब 15 एकड़ भूमि में फैला यह स्टेडियम बीजू पटनायक तकनीक विश्व विद्यालय के परिसर में बनाया जाएगा। पटनायक ने वीडियो संदेश में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि जैसा कि हम पहले ही बता चुके हैं कि ओडिशा एक बार फिर 2023 विश्व कप हॉकी का मेजबान होगा। टूर्नामेंट के मैच भुवनेश्वर, राउरकेला और सुंदरगढ में खेले जाएंगे। पटनायक ने कहा कि भारतीय हॉकी को सुंदरगढ के योगदान के सम्मान स्वरूप मैं घोषणा करता हूं कि हम राउरकेला में नया अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम बनायेंगे जिसकी दर्शक क्षमता 20000 होगी । उन्होंने कहा कि इसमें तमाम आधुनिक सुविधायें होगी और मुझे उम्मीद है कि दुनिया में यह हॉकी के सर्वश्रेष्ठ स्टेडियमों में से एक होगा। हाल ही में राज्य सरकार, अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ, खेल और युवा कार्य मंत्रालय और हॉकी इंडिया के अधिकारियों की एक उच्च स्तरी टीम ने राउरकेला का दौरा किया और बुनियादी ढांचे का जायजा लिया ।

आस्ट्रेलियन ओपन-2021 में खेलेंगे सेरेना, फेडरर और जोकोविच

मेलबर्न।

टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर और सेरेना विलियम्स ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम-आस्ट्रेलियन ओपन में खेलने की पुष्टि की है।

इन दोनों दिग्गजों के अलावा विश्व नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी एश्लेगट बार्टी और आठ बार के आस्ट्रेलियन ओपन चैम्पियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच भी आठ से 21 फरवरी तक होने वाले साल के पहले ग्रैंड स्लैम में खेलेंगे। फेडरर का आस्ट्रेलियन ओपन में भाग लेना तय नहीं लग रहा था क्योंकि घुटनों की दो राउंड की सर्जरी के बाद फिट होने के लिए उन्हें समय चाहिए था। लेकिन स्विटजरलैंड के खिलाड़ी ने दुबई में अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है और वो उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो मेलबर्न पार्क आएंगे। आठ बार की आस्ट्रेलियन ओपन चैम्पियन सेरेना के पास टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग में सर्वाधिक ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने और मारग्रेट के रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी करने का मौका होगा। टूर्नामेंट डायरेक्टर ने क्रैग टिले ने गुरुवार को एक बयान में कहा, इस बार का आस्ट्रेलियन ओपन पिछली बार से अलग होगा। हमारे लिए खिलाड़ियों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है। हमारे पास इस टूर्नामेंट को सुरक्षित माहौल में कराने का अवसर है। खिलाड़ियों ने इस साल दर्शकों को बहुत मिस किया है। उन्होंने कहा, इस बार के आस्ट्रेलियन ओपन के लिए कई शानदार कहानियां हैं। कई खिलाड़ी चोट या फिर निजी कारणों से दूर रहने के बाद वापसी कर रहे हैं। सेरेना इस बार अपने आठवें आस्ट्रेलियन खिताब के लिए भिड़ेंगी। मेलबर्न पार्क में उनका रिकॉर्ड शानदार है। वहीं, जोकोविच अपने नौवें आस्ट्रेलियन ओपन खिताब के लिए खेलेंगे। आस्ट्रेलिया की नंबर-1 खिलाड़ी एश्ले बार्टी भी ग्रैंड स्लैम में वापसी कर रही हैं। फेडरर भी चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। पुरुष एकल वर्ग में जोकोविच के अलावा वर्ल्ड नंबर-2 राफेल नडाल, डोमिनीक थिएम, डेनिल मेदवेदेव, स्टीफानोस सितसिपास, एलेजक्जेंडर ज्वेरेव, आंद्रे रूबलेव, डिएगो श्वैटर्जमैन और माटीओ बेरेटिनी भी आस्ट्रेलियन ओपन में भाग लेंगे। महिलाओं में विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर की सिमोना हालेप, 2020 अमेरिका ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका, मौजूदा चैंपियन सोफिया केनिन, एलिना स्वितोलिना, कैरोलिना प्लिस्कोवा, बियांका एंड्रीस्कु, पेट्रा क्वितोवा, किकी बर्टेंस और आर्य सबालेंका शामिल हैं। दो बार की चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका 2020 में नहीं खेली थी और अब वह इसमें वापसी कर रही हैं। उनके अलावा अक्टूबर में रोलां गैरों खिताब जीतने वाली 19 वर्षीय इगा स्विएटेक भी भाग लेंगी।

संक्षिप्त समाचार

NBA टीम में शामिल पहला भारतीय खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में फेल, लगा 2 साल का बैन

नई दिल्ली । एनबीए टीम में शामिल किए गए पहले भारतीय खिलाड़ी सतनाम सिंह भामरा पर पिछले साल डोपिंग परीक्षण में विफल होने के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासनात्मक पैनल ने 2 साल का प्रतिबंध लगाया है। पिछले साल नवंबर में 25 वर्षीय भामरा पर अस्थायी निलंबन लगाया गया था। दक्षिण एशियाई खेलों के लिए लगे तैयारी शिविर के दौरान नाडा के टूर्नामेंट से बाहर किए परीक्षण में वह विफल रहे थे। वर्ष 2015 में एनबीए टीम में शामिल किए गए भामरा ने खुद पर लगे आरोपों का विरोध किया था और नाडा से उसके डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल (एडीडीपी) द्वारा सुनवाई का अनुरोध किया था। नाडा ने गुरूवार को ट्वीट किया, 'बास्केटबॉल खिलाड़ी सतनाम सिंह भामरा को परीक्षण में हिगेनामाइन बीटा-2-एगोनिस्ट के सेवन का दोषी पाया गया। डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने उन पर 2 साल का प्रतिबंध लगाया है। इसका मतलब है कि भामरा का निलंबन अगले साल 19 नवंबर को समाप्त होगा क्योंकि उनका प्रतिबंध 2019 में इसी दिन से शुरू हुआ था। नाडा ने कहा कि भामरा को हिगेनामाइन का पॉजिटिव पाया गया है जिसे विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की 2017 में प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल किया गया था और यह टूर्नामेंट के अंदर और बाहर हर समय प्रतिबंधित है। पांच साल पहले भामरा ने इतिहास रच दिया था, जब उन्हें डालास मेवरिक्स ने एनबीए ड्राफ्ट में शामिल किया था। इसके बाद वह डालास मेवरिक्स की टेक्सास लीजेंड्स के साथ दो साल तक डेवलपमेंट लीग में खेले थे।

काराबाओ कप: टॉटेनहम हॉस्टपर सेमीफाइनल में पहुंचा

काराबाओ कप : टॉटेनहम हॉस्टपर सेमीफाइनल में पहुंचालंदन, 24 दिसम्बर (आईएएनएस)। टॉटेनहम हॉटस्पर ने स्टोक सिटी को 3-1 से हराकर काराबाओ कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। ईएसपीएन की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को खेले गए इंग्लिश फुटबाल लीग (ईएफएल) के क्वार्टर फाइनल में हॉटस्पर के लिए गैरेथ बेल ने 22वें, बेन डेविस ने 70वें और हैरी केन ने 81वें मिनट में गोल किया। बेल का रियल मेड्रिड से लोन पर हॉटस्पर में आने के बाद से यह तीसरा गोल है। वहीं, स्टोक सिटी की ओर से एकमात्र गोल जॉर्डन थाम्पसन ने 53वें मिनट में किया। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) क्लब हॉटस्पर 2008 में काराबाओ कप जीतने के बाद से अपने पहले खिताब की तलाश में लगे हुए हैं। ईपीएल में तीन पिछले तीन मैचों से केवल एक ही अंक जुटा पाई है, जिसके कारण वह अंकतालिका में छठे नंबर पर खिसक गई है। टॉटेनहम हॉटस्पर के कोच जोस मॉरिन्हो चेल्सी और मैनचेस्टर युनाइटेड के साथ चार बार काराबाओ कप खिताब जीत चुके हैं और अब वह बतौर कोच पांचवीं बार इस खिताब को जीतने से मात्र दो जीत दूर है।

जब मैंने डेफलंपिक्स पदक जीता, तो किसी ने बधाई नहीं दी : पृथ्वी शेखर

जयपुर।

भारतीय टेनिस स्टार पृथ्वी शेखर ने खुलासा किया है कि 2017 में जब उन्होंने डेफलंपिक्स में पहला पदक जीता था, तो किसी ने उन्हें बधाई तक नहीं दी थी। शेखर ने 2017 समर डेफलंपिक्स में जाफरीन शेख के साथ मिलकर मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा और भारत के लिए टेनिस में पहला डेफलंपिक्स पदक जीता था. शेखर ने स्पोर्ट्स टाइगर के शो बिल्डिंग ब्रिज में कहा, जब मैंने 2017 में डेफलंपिक्स में पहला पदक जीता, तो किसी ने मुझे बधाई नहीं दी। केवल ओलंपिक और पैरालंम्पिक्स में ही खिलाड़ियों को समर्थन मिलता है। शेखर ने यह भी बताया कि उन्होंने अर्जुन पुरस्कार के लिए भी आवेदन किया था, लेकिन इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। उस वर्ष एक भी बधिर एथलीट को पुरस्कार नहीं मिला।

27 साल के पृथ्वी का जन्म चेन्नई में हुआ था, वे 2013 और 2017 मेंदो डेफलंपिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। पृथ्वी ने 2013 में अपने पहले डेफलंपिक्स के बारे में बात की और बताया कि कैसे उनकी मां को 2013 में डेफलंपिक्स के बारे में पता चला और उनकी मां ने उन्हें औरंगाबाद में नेशनल्स में भेजा, जहां उन्होंने सिंगल के साथ-साथ

डबल्स में भी में स्वर्ण पदक जीता और देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए भी चुने गए।

पृथ्वी ने कहा, जब मैं वहां गया था, तो मैंसिंगल्स और डबल्स में गोल्ड जीतकर बहुत खुश था। मुझे इस बात पर गर्व था कि डेफलंपिक्स में खेलने के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए मुझे चुना गया।

5 महीने की गर्भवती अंकिता गौड़ ने दिखाया जज्बा, 10 किमी. लंबी बेंगलुरू रेस की पूरी

बेंगलुरू । टीसीएस वर्ल्ड 10 के बेंगलुरू 2020 में 5 महीने की गर्भवती महिला ने सिर्फ 62 मिनट में रेस पूरी कर ली। पिछले नौ साल से नियमित रूप से दौड़ रही अंकिता गौड़ का मानना है कि 'एक्टिविटी' उनके लिए सांस लेने की तरह है। अंकिता ने कहा- यह ऐसी चीज है जिसे मैं पिछले नौ साल से कर रही हूं, लगभग रोजाना। आप उठते हो और दौडने के लिए जाते हो। बेशक कभी-कभी आप चोटिल, बीमार होते हैं और ऐसा नहीं कर पाते। उन्होंने कहा- इसके अलावा मैं पिछले नौ साल से नियमित रूप से दौड़ रही हूं, इसलिए यह मेरे लिए सांस लेने की तरह है। यह मेरे अंदर प्राकृतिक रूप से है। पेशे से इंजीनियर अंकिता 2013 से टीसीएस वर्ल्ड 10के में हिस्सा ले रही हैं। वह इसके अलावा पांच से छह अंतरराष्ट्रीय मैराथन में भी हिस्सा ले चुकी हैं जिसमें बर्लिन (तीन बार), बॉस्टन और न्यूयॉर्क शामिल हैं। यह पूछने पर कि उन्होंने इस साल की प्रतियोगिता की तैयारी कैसे की तो अंकिता ने कहा- मैं 5 से 8 किमी. नियमित रूप से दौड़ रही थी, धीरे-धीरे। उन्होंने कहा- मैं ब्रेक लेते हुए दौड़ रही थी और चल रही थी क्योंकि बेशक 5 महीने की गर्भवती होने के कारण मेरे शरीर पहले की तुलना में अलग है।

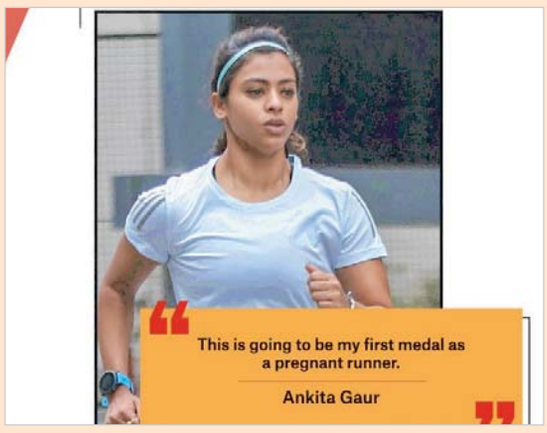

आईपीएल में 2022 में होंगी 10 टीमें

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)-2022 में दो नई टीमें जुड़ेंगी, जिससे टीमों की संख्या 10 हो जाएगी। वेबसाइट ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, दो नई टीमों को शामिल करने का फैसला गुरुवार को अहमदाबाद में हुई बीसीसीआई की 89वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में लिया गया है। आईपीएल में 2022 से अब 10 टीमें खेलेंगी। अभी तक लीग में आठ टीमें ही खेलती थीं। 2021 में होने वाले अगले सीजन में भी आठ टीमें होंगी। 2008 से शुरू हुई इस लीग में 2011 में दो नई टीमें-पुणे वॉरियर्स और कोच्चि टस्कर्स को शामिल किया गया था, लेकिन एक साल बाद कोच्चि को हटा दिया गया। कुछ दिनों बाद पुणे की टीम भी लीग से हट गई। दो नई टीमें कहां से होंगी इस बारे में कोई जानकारी नहीं है लेकिन वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक बोर्ड हर राज्य से एक ही टीम शामिल करने का फैसला किया है, इस लिहाज से महाराष्ट्र तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़ से नई टीमें नहीं आ सकती। इनके अलावा भारत में जो अन्य अंतर्राष्ट्रीय वेन्यू हैं उनमें अहमदाबाद, राजकोट, विशाखापट्टनम, कोच्चि/तिरुवनंतपुरम और लखनऊ नई फ्रेंचाइजियों की दावेदारी में सबसे आगे हैं।

भुवनेश्वर 6 महीने के लिए बाहर, अब IPL में ही लौटेंगे

नई दिल्ली।

भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार छह सप्ताह तक मैदान से दूर रहेंगे और अब वह IPL 2021 के समय मैदान पर वापसी कर पाएंगे। भुवनेश्वर को दो अक्टूबर को IPL में चेन्नई सुपर के खिलाफ खेले गए मैच में जांघ में चेन्नई की पारी के 19वें ओवर के दौरान चोट लगी थी और वह केवल एक ही गेंद फेंकने के बाद मैदान से बाहर चले गए थे। 30 वर्षीय भुवनेश्वर फिलहाल बेंगलुरु के राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपनी चोट से उबर रहे हैं और वह अगले महीने तक अपना रिहेबिलिटेशन पूरा कर लेंगे। भारतीय तेज गेंदबाज अब छह महीने तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने आईएएनएस से कहा, अब वह केवल IPL के समय तक ही फिट हो पाएंगे क्योंकि वह छह महीने तक प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट से बाहर हो गए हैं। स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट हीथ मैथ्यूज, जोकि मुंबई इंडियन्स से जुड़े हैं, ने कहा है कि भुवनेश्वर को क्लासिक चोटें लग रही हैं। मैथ्यूज ने आईएएनएस से कहा, तेज गेंदबाजों के साथ समस्या यह है कि यह शरीर पर एक बड़ा पतला लगाता है। पिछले कुछ वर्षों से उनकी किस्मत उनका साथ नहीं दे रही हैं और उन्हें काफी चोटें लग रही हैं। कभी पीठ में खिंचाव, साइड स्ट्रेन तो कभी हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन। यह सब लोअर बैक एरिया में है, जोकि अक्सर गेंदबाजों के लिए समस्या खड़ी करती है। यह पूछे जाने पर कि क्या भुवनेश्वर जैसे गेंदबाजों की गेंदबाजी की गति या शैली में बदलाव एक तेज गेंदबाज के शरीर पर प्रभाव डाल सकता है, मैथ्यूज ने कहा, कभी-कभी एक गेंदबाज जो अतिरिक्त गति और अतिरिक्त स्विंग प्राप्त करने की कोशिश करता है तो उसे ऐसा करने के लिए कुछ सीजन लगते हैं। कई बार, नई स्ट्रेस में ढलने में शरीर को थोड़ा समय लगता है। दुर्भाग्य से, यह कुछ क्षेत्रों में यह ओवरलोड हो सकता है। एलीट लेवल पर आप इसके ज्यादा करीब हैं। बदलाव आपके शरीर के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है और इसे

समायोजित होने में लंबा समय लेता है।

युवा हॉकी खिलाड़ियों के लिए श्रीजेश बहुत बड़ी प्रेरणा : साहिल नायक

बेंगलुरु। पिछले दो साल से कुछ नेशनल कैम्प का हिस्सा रहे भारतीय हॉकी जूनियर पुरुष कोर संभावित टीम के गोलकीपर साहिल कुमार नायक ने कहा है कि सीनियर टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश भारत में सभी युवा हॉकी खिलाड़ियों के लिए एक बहुत बड़ी प्रेरणा है। पिछले दो साल के कुछ नेशनल कैम्प का हिस्सा रहे नायक ने कहा कि देश के युवा हॉकी खिलाड़ी काफी भाग्यशाली हैं कि पिछले 10 साल से श्रीजेश को गोलकीपर के रूप में उभरते हुए देख रहे हैं। नायक ने कहा, देश में काफी अच्छे रॉल मॉडल हैं, जो कई वर्षों से निरंतर अच्छे खिलाड़ी दे रहे हैं। हम काफी भाग्यशाली हैं कि पिछले 10 साल से श्रीजेश को गोलकीपर के रूप में उभरते हुए देख रहे हैं। उन्होंने कहा, श्रीजेश ने हमें दिखाया है कि कैसे खुद को मजबूत बनाए रखना है और भारतीय टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहना है। वह न केवल गोलकीपरों के लिए बल्कि भारत के सभी युवा हॉकी खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा रहे हैं। नायक ने अब तक भारतीय जूनियर टीम के लि पदार्पण नहीं किया है, लेकिन वह अगले साल इस मौके को पाने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, पिछले दो साल से मैंने अपने खेल के कई पहलुओं पर काफी काम किया है और मुझे लगता है कि अब मैं जूनियर टीम में पदार्पण करने के लिए तैयार हूं। अगले साल हमारे पास कई महत्वपूर्ण टूर्नामेंट हैं, जिसमें मैं भारतीय टीम में जगह बना सकता हूं।

क्रांति समय

आस-पास भी बहुत कुछ

ऊटी व आस-पास घूमने के लिए हमने एक दिन के लिए छोटी बस किराये पर ली थी। मानसून में ऑफ सीजन होता है, तो हमें यह बेहद कम दाम में उपलब्ध हो गई। ऊटी में तो हम जगह-जगह घूमे ही, ऊटी के आस-पास भी बहुत-से ऐसे स्थान थे जहां जाकर हम रोमांचित हुए बिना नहीं रह सके। पहले जिक्र करते हैं ऊटी से आठ किलोमीटर दूर और समुद्र तल से 2623 मीटर की ऊंचाई पर स्थित डोडाबेटा शिखर की। यहां पूर्वी व पश्चिमी घाटों का मिलन होता है। यहां से नीलगिरी पहाडियों का अकल्पनीय दृश्य नजर आता है। डोडाबेटा शिखर शोला वनों से घिरा है। पर्यटन विभाग ने यहां एक दूरबीन भी लगा रखी है।

यूं लगा जन्नत में है ऊटी

मुन्नार की मखमली खूबसूरती से तीन दिन तक रू-ब-रू रहने के बाद हमारी टोली ऊटी के लिए रवाना हुई तो एक उदासी-सी मन में थी। एक तो जन्नत जैसे मुन्नार से हम विदा ले रहे थे जहां से वापस आने का दिल शायद ही किसी का करे। दूसरे, मन में यह सवाल बार-बार सिर उठा रहा था कि मुन्नार को देखने के बाद ऊटी कहीं फीका लगा और अगले दो दिन बेकार चले गए, तो? मुन्नार से कोयम्बटूर और वहां से आगे ऊटी जाने के लिए यूं तो अच्छी सडक है, पर चूंकि टोली में आठ-दस बच्चे और कुछ महिलाएं भी थीं, तो बेहतर यही था कि सडक के मुश्किल सफर के बजाय ऊटी तक की दूरी ट्रेन से तय की जाए। इस फैसले की वजह मेट्टूपालयम से ऊटी तक घुमावदार पहाडी रास्तों पर रेंगने वाली टॉय ट्रेन भी थी जो खासकर बच्चों के लिए मजेदार अनुभव होता।

एक सफर में दो रंग

ऊटी तक के ट्रेन के इस सफर को हम दो हिस्सों में बांट सकते हैं। पहला, मेट्टूपालयम से कुन्नूर। यहां ट्रेन स्टीम इंजन से चलती है। स्टीम इंजन है तो जाहिर है ट्रेन की चाल भी बेहद धीमी रहती है। कुन्नूर तक चढाई ज्यादा तीखी है जिसे स्टीम इंजन अपनी कछुआ चाल से बडी आसानी से तय कर लेता है। पूरा रास्ता चट्टानी है, रास्ते में ऊंचे पेड हैं और अनेक छोटे-बडे पुल भी। कुन्नूर इस रेलखंड का एक अहम स्टेशन है जहां गाडी काफी देर रुकती है। खाने-पीने के यहां बेहतर बंदोबस्त हैं। कुन्नूर में ट्रेन स्टीम इंजन का दामन छोडकर डीजल इंजन को अपना सारथी बनाती है, और शुरू हो जाता है सफर का दूसरा हिस्सा जो कहीं ज्यादा सुकून देने वाला है। कह सकते हैं कि ऊटी का असल रंग दिखना यहीं से शुरू होता है। चाय के तराशे हुए बौने पौधे ऊंचे पेडों की जगह ले लेते हैं। अभी तक जो गहरा हरा रंग आंखों तक पहुंच रहा था, उस पर लगता है जैसे प्रकृति ने दिल खोलकर धूप मसल दी हो। चारों तरफ खिली हुई हरियाली.. मन को प्रफुल्लित करती हरियाली। और इस हरियाली के बीच गर्व से सिर उठाए खडे छोटे-छोटे घर.. एक अलग ही दृश्य है यह, जो एक बार दिल पर छप गया तो फिर कभी धूमिल होने वाला नहीं।

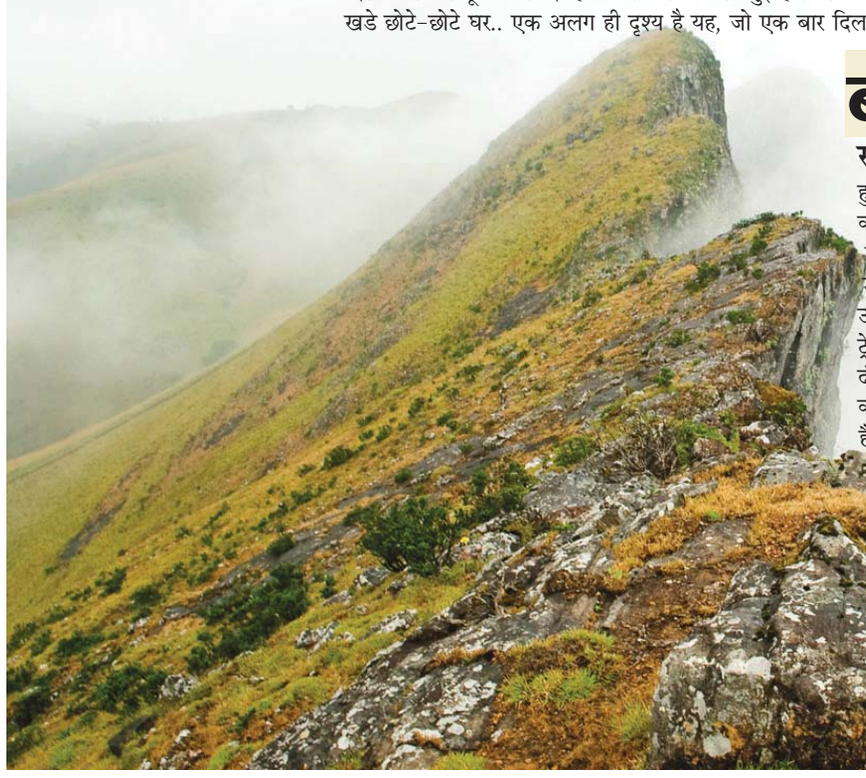

बादलों का है अलग रिश्ता

समुद्र तल से 2240 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ऊटी अंग्रेजों का समर रिजॉर्ट हुआ करता था। मूल रूप से यह इलाका टोडा जनजाति का घर है। उन्होंने अंग्रेजों को अपनी जमीन का एक बडा हिस्सा दे दिया था, जिस पर अंग्रेजों ने शहर बसाया। इस इलाके का असल नाम ऊटकमंड है, इसी को अंग्रेजों ने छोटा करके ऊटी कर दिया। हालांकि, अब शहर का आधिकारिक नाम उदगमंडलम है जो ऊटकमंड का तमिलीकरण है। पांच घंटे के सफर के बाद दिन में करीब 12 बजे ट्रेन उदगमंडलम स्टेशन पर जा लगी तो बूंदाबांदी हो रही थी। हम लोग मानसून के दौरान वहां गए थे। इस मौसम में बादलों का दिल कब हो जाए ऊटी को भिगोने का, कह नहीं सकते। बादलों का ऊटी से अलग ही रिश्ता है। जब-जब दिल करता है, ये बादल किसी बेसब्र प्रेमी की तरह आकर ऊटी को अपने आगोश में ले लेते हैं। इसका प्रमाण ऊटी की गोद में विचरण करते वक्त मिला। बादल चेहरे पर आ-आकर ठहरते और पानी के कण गालों पर छोडकर आगे निकल जाते। बारिश मुन्नार में भी खूब देखी हमने.. वहां भी बादल पहाडों व पेडों के साथ अठखेलियां करते दिखे। लेकिन वहां के अप्रतिम सौंदर्य को बादल अपने आलिंगन में नहीं लेते। मानो, कोई झिझक उन पर तारी रहती हो। लेकिन ऊटी में समीकरण अलग है। यहां बादल आएंगे तो पहले प्यार में डूबकर हर गोशे को छुएंगे और फिर भावुक होकर बरस पडेंगे।

खूबसूरत शहर

ऊटी की सुंदरता की किसी और जगह से तुलना बेमानी है। नीलगिरी की गोद में एक चुप्पी ओढे शहर की तस्वीर पेश करता है यह। बडे नाम वाले हिल स्टेशनों के मुकाबले जिंदगी बहुत तेज नहीं है यहां। ऊंचाई से देखो तो अंग्रेजी स्टाइल में बने घरों की छटा अलग ही है। घरों के जमावडे के बीच से झांकता वहां का मशहूर रेसकोर्स.. इसके अलावा हरे-भरे बाग, झील, गोल्फ कोर्स, स्टेशन परिसर.. हमने ऊटी का यह विहंगम नजारा डोडाबेटा टी फैक्टरी की बालकनी से देखा। यह दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर बनी टी-फैक्टरी है। पांच रुपये की टिकट पर चाय बनाने की प्रक्रिया यहां देख सकते हैं। ताजा चाय की महक में तलब लगना लाजिमी है। लीजिए, इलायची वाली चाय का कप भी हाजिर है आपके लिए। चुस्की लीजिए और तर-ओ-ताजा हो जाइए। यहां कई तरह की चाय बिक्री के लिए भी उपलब्ध है। हमारे साथियों ने कितनी खरीदारी की यहां, इसका पता बाहर आकर चला जब हरेक के हाथ में दो-दो थैले झूलते नजर आए।

लोकेशन

छुक-छुक रेलगाडी

मुन्नार को अलविदा कहकर हम बस से कोच्चि पहुंचे, जहां से कोयम्बटूर और फिर आगे मेट्टूपालयम तक हमें ट्रेन से जाना था। मेट्टूपालयम कस्बा कोयम्बटूर से 35 किलोमीटर की दूरी पर है और यहां तक बडी लाइन की ट्रेनें जाती हैं। सफर का असल रोमांच मेट्टूपालयम से शुरू होता है जहां से नैरोगेज लाइन पर चार डिब्बों वाली ट्रेन ऊटी के लिए निकलती है। नीलगिरी पहाडियों में चीड के पेडों के बीच से मंद गति से तय होता यह सफर बेहतरीन कुदरती नजारे हमारे सामने पेश कर रहा था। कहीं ऊंचाई से गिरते पानी का शोर था, कहीं पहाडों ने अपने हरे चोगे पर सफेद बादल कंगन की तरह टांग रखे थे, तो कहीं सांप की तरह रेंगती सडक हमसे आ मिलने को बेताब दिख रही थी। रास्ते में प्रहरी की तरह खडे ऊंचे पेड और कुछ पलों के लिए ट्रेन को निगल लेने वाली सुरंगें हमारे रोमांच को दूना करने में कोई कसर नहीं छोड रहे थे। जैसे ही ट्रेन सुरंग के अंधेरे में समाती, यात्रियों का जोशभरा शोर उस अंधेरे पर भारी पडता दिखता। इस पूरे सफर के दौरान दिक्कत थी तो सिर्फ एक, और वो यह कि इस छुटकी-सी ट्रेन में बैठने की जगह बेहद तंग थी। लेकिन इस दौरान अगर आप खुद को कुदरत के मोहपाश में जकडे रहने देते हैं तो इस दिक्कत का एहसास ही नहीं होता।

कई रंग हैं ऊटी में

हमारे सामने ऊटी शहर अपने विविध रंगों को लेकर शान से खडा था। घूमने-फिरने के लिए ऊटी में और इसके आस-पास कई जगहें हैं। ऊटी की बात करें तो सबसे पहले जिक्र झील का आएगा। स्टेशन से दो किलोमीटर की दूरी पर मौजूद इस कृत्रिम झील पर सैलानियों तथा छुट्टी बिताने आए स्थानीय लोगों की भीड हमें नजर आई। 190 साल पहले यह झील जॉन सुलिवन ने बनवाई थी। यहां पर नौका विहार का आनंद लेने से हम खुद को नहीं रोक पाए। नाव में आधे घंटे तक झील की सैर के दौरान कितने ही प्यारे-प्यारे नजारों ने हमें बांधे रखा। यहां नौका विहार के अलावा मनोरंजन के अन्य साधन भी हैं, खासकर बच्चों के लिए। टॉय ट्रेन आपको झील के किनारे-किनारे चक्कर कटाकर लाती है तो लेक गार्डन में थोडी देर सुस्ताना सारी थकान भगा देगा। इसके अलावा, खाने-पीने व शॉपिंग के भी यहां खासे विकल्प नजर आए। झील के पास ही ऊटी का मशहूर थ्रेड गार्डन है, जहां धागे से रंग-बिरंगे फूल बनाए जाते हैं। यहां की खासियत है कि फूलों को हाथ से बनाया जाता है और इन्हें बनाने में सुई का इस्तेमाल भी नहीं होता। इसके अलावा, दुनियाभर में मशहूर बॉटेनिकल गार्डन यहां है जहां हजारों प्रजातियों के पेड-पौधे हैं। 22 एकड में फैले इस गार्डन में हर साल मई में होने वाले फ्लावर शो में बडी तादाद में लोग पहुंचते हैं। यहां एक अन्य आकर्षण एक पेड का करीब दो करोड साल पुराना जीवाश्म है। बॉटेनिकल गार्डन के पास ही चिल्ड्रन पार्क है। यहां जाएंगे तो लगेगा कि मखमल का कोई गलीचा आपके सामने बिछा हुआ है। बच्चों का दिल अगर यहां से आने को न करे तो इसमें उनका कोई कुसूर नहीं। ऊटी का एक अन्य आकर्षण छह एकड में फैला रोज गार्डन है। यह विजयनगरम इलाके में एल्क हिल की ढलान पर है जहां गुलाब के 17,000 से ज्यादा पौधे हैं। तभी तो इसे देश का सबसे बडा रोज गार्डन होने का गौरव हासिल है। इसके अलावा, गोल्फ कोर्स व रेस कोर्स की हरियाली वहां जाने वाले को अपने जादू में बांध लेने के लिए काफी है।

वेनलॉक का जादू

टोडा जनजाति के घरों को तो हमने दूर से देखा, लेकिन वेनलॉक के नैसर्गिक सौंदर्य को हम अपने भीतर भरकर ले लाए। सफेद बादलों में लिपटी चटख हरे रंग की पहाडियां.. हर बार पलकें उठाते ही भीतर एक पूरी दुनिया आबाद हो रही थी, और हर सांस के साथ मानो अमृत घुलता जा रहा था शरीर में। यह स्थान ऊटी से छह मील व नौ मील के बीच स्थित है। स्थानीय लोग बोलचाल में इसे फिल्म शूटिंग पॉइंट कहते हैं। चाय की खेती होने से पहले नीलगिरी पर्वतमाला की हर पहाडी ऐसी ही होती थी। हल्की ढलान वाली इन बल खाती हुई पहाडियों की तुलना ब्रिटेन के यॉर्कशर डेल्स से की जाती है। पहले तो हमने सोचा कि बारिश में कौन चढेगा पहाडी के ऊपर, चलो रहने देते हैं। लेकिन फिर हिम्मत की तो ऊपर जाकर पता चला कि हमसे क्या छूटने जा रहा था। एक पहाडी की ढलान दूसरी पहाडी की ढलान में मिल रही थी। दूर तक जन्नत के सिवा कुछ नहीं था। ये क्या! अभी-अभी जो जगह साफ दिख रही थी, उसे अचानक सफेद जलकणों ने ढक लिया था। ठंड से हम कांप रहे थे और कानों के सिरे लाल हुए जा रहे थे।

लेकिन यकीन मानिए, वहां से वापस आने के लिए मन को समझाना मुश्किल हो रहा था। हमारे सामने जो था, वो किसी स्वप्न से कम नहीं था। हमारा ऊटी आना सफल हो गया।

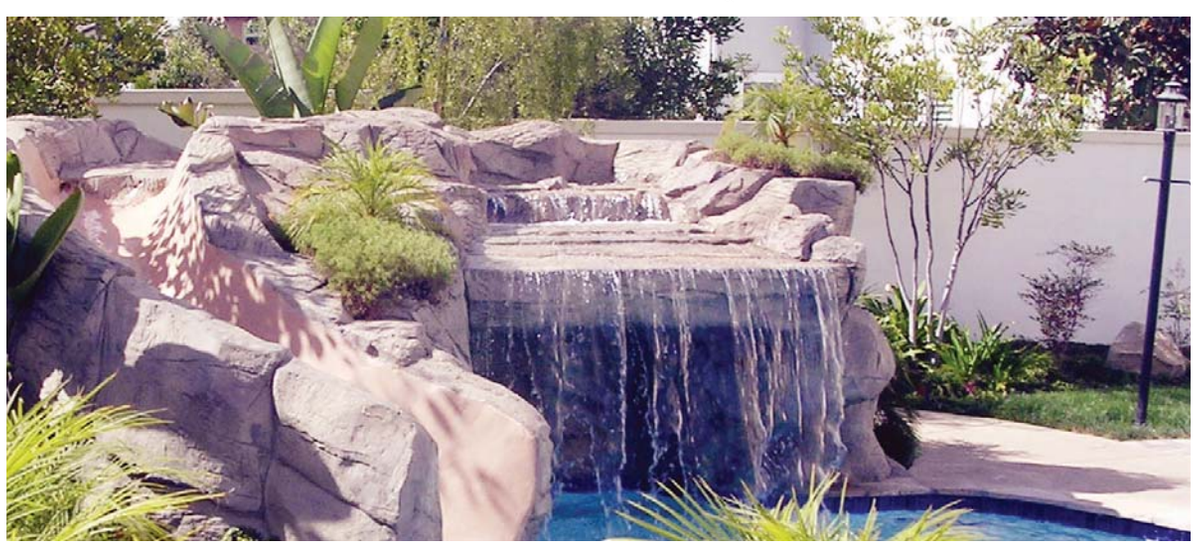

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गर्भवती महिलाओं से नवजातों में नहीं फैलता संक्रमण, वैज्ञानिकों ने किया नया दावा

वाशिंगटन (एजेंसी)।

कोरोना वायरस (कोविड-19) पर अनुसंधान कार्य दिन-रात जारी हैं। इसी कड़ी में इसके संक्रमण को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि तीसरी तिमाही के दौरान सार्स-सीओवी-2 यानी कोरोना वायरस से संक्रमित होने वाली गर्भवती महिलाओं के नवजात शिशुओं में संक्रमण प्रसारित करने की संभावना न के बराबर होती है।

यूएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ द्वारा वित्त पोषित इस अध्ययन में लगभग 127 गर्भवती महिलाओं को शामिल किया गया था। इन महिलाओं को इस साल वसंत के मौसम में बोस्टन के अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, इसमें से 64 महिलाएं कोरोना टेस्ट में पॉजिटिव पाई गईं, लेकिन इनके नवजातों में सार्स-सीओवी-2 का संक्रमण देखने को नहीं मिला।

यूनिस कैनेडी श्रीवर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड ह्यूमन डवलपमेंट की निदेशक डायना बियांची ने कहा, %इस अध्ययन से यह आश्वासन मिलता है कि तीसरी तिमाही के दौरान कोरोना वायरस के गर्भनाल से गुजरने की संभावना नहीं है, लेकिन इसकी पुष्टि करने के लिए अभी और अधिक गहन अध्ययन किए जाने की जरूरत है।

जर्नल जामा नेटवर्क ओपन में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि ये परिणाम सीमित महिलाओं पर किए गए अध्ययन पर आधारित हैं। गर्भावस्था के दौरान पहली और दूसरी तिमाही के दौरान संक्रमित महिलाओं का डाटा अभी इकट्ठा किया जा रहा है, जिसके बाद उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

शोधकर्ताओं ने कहा कि उनके निष्कर्ष कोरोना वायरस से संक्रमित गर्भवती महिलाओं और उनके नवजात शिशुओं की देखभाल में सुधार लाने में सहायता कर सकते हैं, साथ ही साथ गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण के लिए नई रणनीतियां बनाने में मदद कर सकते हैं।

ब्रिटेन-फ्रांस सीमा पर सिखों ने चलाया लंगर, ट्रक ड्राइवरों को दिए फूड पैकेट और पिज्जा

लंदन। ब्रिटेन में नए कोरोना वायरस के आने के बाद से फ्रांस की सीमा को बंद कर दिया गया है। यहां पर सैकड़ों ट्रक फंस गए हैं। इन ट्रकों के ड्राइवरों को खाने की दिक्कत होने के बाद सिख संगठनों ने लंगर शुरू कर दिया है। लंगर के साथ ही रेस्टोरेंट से ट्रक ड्राइवरों के लिए फूड पैकेट दिए गए हैं। सिखों की अपील पर एक हजार पिज्जा भी ड्राइवरों के लिए भिजवाए गए हैं। नए कोरोना वायरस को लेकर सावधानीवश फ्रांस ने अपनी सीमा को बंद कर दिया है। इस कारण सैकड़ों ट्रक सीमा पर खड़े हो गए हैं। अब इन ट्रक चालकों को क्रिसमस पर घर पहुंचने की चिंता हो रही है। हालांकि लंदन और पेरिस दोनों ही इस बात के लिए राजी हो गए हैं कि कोरोना की निगेटिव रिपोर्ट पर यात्रियों को सीमा पार करने दी जाए। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह टेस्ट कैसे और कहां होगा।

स्काई न्यूज ने बताया कि खालसा एड के सदस्यों ने केंट में फंसे ड्राइवरों को गर्म भोजन परोसने के लिए लगभग 210 मील (338 किमी) की यात्रा की। इसके अलावा लंगर के सदस्य, जो अपने परोपकारी कार्यों के लिए जाने जाते हैं, ने ठंड और बरसात के मौसम में पानी और भोजन लेने के लिए कोवेंट्री से लगभग दोगुना यात्रा की। केंट में गुरु नानक गुरुद्वारा में स्वयंसेवकों ने पुलिस एस्कॉर्ट देने के लिए रू20 के साथ शाकाहारी भोजन पकाने और पैक करने में मदद की।

विशेष लंगर के पहले दिन खालसा एड के सदस्यों ने चावल के भोजन के साथ छोले करी की 500 पैकेटों में खाने दिए। इसके साथ ही टमाटर और मशरूम पास्ता व्यंजन की 300 पैकेट को पकाया और लोगों का दिए। खालसा एड के संस्थापक रवि सिंह ने कहा कि यह (ड्राइवरों) के लिए भयानक है, यहां कुछ भी नहीं है, कोई भोजन नहीं, कोई दुकानें नहीं - यह उनके लिए जेल की तरह है। हम वापस नहीं जा सकते और कुछ भी नहीं कर सकते हैं।

सार समाचार

कोरोना वायरस का कहर, पाकिस्तान में कोविड-19 से एक दिन में 111 मरीजों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले चौबीस घंटे में कोविड-19 से 111 मरीजों की मौत हो गई जो नवंबर में आई संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान सर्वाधिक है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय की ओर से जारी एक वक्तव्य में कहा गया, 'देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 4,65,070 हो गए हैं। अब तक संक्रमण के शिकार हुए कुल 9,668 मरीजों की मौत हो चुकी है।

एक दिन में 111 मरीजों की मौत हो गई जो महामारी की दूसरी लहर में हुई मौत की सर्वाधिक संख्या है।' पाकिस्तान में अब तक कोविड-19 के 4,17,134 मरीज ठीक हो चुके हैं और 2,361 मरीजों की हालत नाजुक बताई जा रही है। इस समय 38,268 मरीज उपचाराधीन हैं।

अमेरिका के बाल्टीमोर में एक बहुमंजिला इमारत में विस्फोट, 23 गंभीर रूप से घायल

बाल्टीमोर (अमेरिका)। अमेरिका के बाल्टीमोर में एक बहुमंजिला इमारत में विस्फोट होने से 23 लोग घायल हो गए तथा कुछ सफाई कर्मी इमारत के बाहर लटके मचान पर फंस गए। मैरीलैंड राज्य के बाल्टीमोर में बुधवार को हुए धमाके के कारण इमारत की छत आंशिक तौर पर ढह गई। दमकल विभाग ने ट्वीट करके इस घटना की जानकारी दी। इसमें बताया गया कि घायलों में से 21 को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है, ये सभी निर्माण कार्य में लगे श्रमिक हैं।

इसमें बताया गया कि कम से कम नौ लोगों की हालत गंभीर है तथा एक की हालत अति गंभीर है। निर्माण कार्य के दौरान मचान पर फंसे कर्मियों को खिड़कियों के रास्ते बचाया गया। दमकल संघ ने ट्वीट कर बताया कि जो साक्ष्य प्राप्त हुए हैं वे इस ओर इशारा कर रहे हैं कि धमाका इमारत की 16वीं मंजिल पर हुआ जहां बाल्टीमोर गैस ऐंड इलेक्ट्रिक कंपनी के कार्यालय हैं। विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है।

होंडुरास देश में लगातार हो रही है पत्रकारों की हत्या, इस साल चार जर्नलिस्टों ने गवाई जान

तेगुसिगल्पा (होंडुरास)। होंडुरास में रेडियो में काम करने वाले एक पत्रकार की हत्या कर दी गयी। इंटर-अमेरिकन प्रेस एसोसिएशन ने बुधवार को बताया कि इस साल हमलावरों ने यहां पर चार पत्रकारों की हत्या कर दी। संगठन ने कहा कि पत्रकार की पहचान 'रेडियो बांबी' के मालिक और समाचार कार्यक्रम 'कोरेओ इनफॉमेटिवो' के होस्ट पेड्रो आर्कनजेल केनिल्स के तौर पर हुई है। इंटर-अमेरिकन प्रेस एसोसिएशन ने कहा कि ओलांचो प्रांत में मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति ने गोली मारकर केनिल्स की हत्या कर दी। संगठन ने होंडुरास सरकार से मामले की गहनता से जांच कराने का अनुरोध किया है। सितंबर में स्वतंत्र पत्रकार लुईस एलोंसो एलमेनडरेस की, जुलाई में संवाददाता जर्मन वेलेसिल्ो जूनियर और कैमरामेन जॉर्ज पोसास की हत्या कर दी गयी थी। एसोसिएशन ने कहा कि 2020 में मैक्सिको में 11, होंडुरास में चार, वेनेजुएला और ग्वाटेमाला में दो-दो तथा बारबडोस, ब्राजील, कोलंबिया और पराग्वे में एक-एक पत्रकार की हत्या कर दी गयी।

रूस ने कोविड-19 के टीके से जुड़े अध्ययन में प्रतिभागियों की संख्या कम की

मॉस्को। रूस का स्वास्थ्य मंत्रालय देश में बनाए गए कोरोना वायरस के टीके से जुड़े अध्ययन के आकार को छोटा करने और उसके लिए स्वयंसेवकों का पंजीकरण बंद करने के लिए बुधवार को तैयार हो गया। टीका बनाने वालों ने करीब एक सप्ताह पहले कहा था कि रूस के 'स्पूतनिक वी' टीके को लेकर आखिरी चरण का अध्ययन जारी होने के बावजूद उसे देना शुरू करने के बाद से अध्ययन के लिए स्वयंसेवकों के पंजीकरण में कमी आई है। इसके बाद ही मंत्रालय यह निर्णय किया। टीका विकसित करने वालों ने स्वयंसेवकों को 'डमी शॉट' देने को लेकर भी चिंता जाहिर की थी। अध्ययन में अब प्रतिभागियों की संख्या घटाकर 40 हजार से 31 हजार कर दी गई है।

'स्पूतनिक वी' बनाने वाले सरकारी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के गामालेया केन्द्र के प्रमुख अलेक्जेंडर गिन्त्सबर्ग के अनुसार, रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन ने 'स्पूतनिक वी' की तारीफ की थी और रूसी सरकार का इस महीने बड़े स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाने का आदेश दिया था। मध्य दिसम्बर तक 1,50,000 से अधिक लोगों को टीका लग चुका है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि टीके की सुरक्षा और प्रभावशीलता पर अंतरिम अध्ययन के डेटा पर गौर करते हुए अध्ययन के आकार को कम करने का निर्णय किया गया। मंत्रालय ने कहा कि अध्ययन जारी रहेगा और प्रतिभागियों पर कम से कम छह महीने से अधिक समय तक नजर रखी जाएगी।

नवाज शरीफ की बेटी ने इमरान की काबिलियत पर उठाए सवाल

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरयम ने पीएम इमरान खान को घेरते हुए उनकी काबिलियत पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा कि अगर वह चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार नहीं थे तो प्रधानमंत्री की कुर्सी क्यों संभाली।

डॉन अखबार के अनुसार, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की नेता मरयम नवाज ने बुधवार को मरदान शहर में विपक्षी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) की रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'चुनाव से पहले वह (प्रधानमंत्री इमरान) कहते थे कि उनके पास 200 विद्वान लोगों की टीम है। उनकी टीम अब कहां है? उनके मंत्री अपनी-अपनी धुन बजाते हैं, लेकिन उनकी 200 लोगों की टीम पाकिस्तान में कहीं दिखाई नहीं देती।'

मरयम ने इमरान को उनके ही एक बयान पर घेरते हुए कहा, 'वह कहते हैं कि उनको देश की बिजली समस्या और विदेशी कर्ज के बारे में जानकारी नहीं है। वह यह भी नहीं जानते हैं कि सरकार कैसे चलाई जाती है और इसके लिए तैयार नहीं थे।' मरयम के इस बयान से एक दिन पहले इमरान खान ने कहा था कि होमवर्क किए बगैर किसी को सत्ता में नहीं आना चाहिए। इमरान को सत्ता में आए करीब ढाई साल हो गए हैं।

अमेरिका में टीकाकरण में देरी, टॉप ऑफिसर ने कहा- रफ्तार उम्मीद से कुछ कम रह सकती है

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका में टीकाकरण अभियान से जुड़े एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि जनवरी के पहले सप्ताह तक कोविड-19 से बचाव के लिए टीके की दो करोड़ खुराक उपलब्ध करवाने के लिए काम किया जा रहा है, लेकिन लोगों को कितनी जल्दी ये टीका लगाए जा सकेंगे यह स्पष्ट नहीं है। 'ऑपरेशन वार्प स्पीड' के अधिकारी जनरल गस पेर्ना ने बुधवार को संवाददाताओं को बताया कि सभी राज्यों में टीके की खुराक देने की गति अच्छी है तथा काफी संख्या में लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है। हालांकि अमेरिका में टीकाकरण अभियान के लिए मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार ने कहा, ''हमने जो सोचा था उसकी तुलना में रफ्तार (टीकाकरण की) कुछ कम है।''

बीमारी रोकथाम और निवारण केंद्र (सीडीसी) के आंकड़ों के मुताबिक बुधवार सुबह तक 95 लाख टीकों की आपूर्ति कर दी गयी, जिसमें से करीब दस लाख खुराक लोगों को दी जा चुकी है। हालांकि पेर्ना ने कहा कि टीकाकरण के बारे में सूचनाएं देरी से मुहैया करायी जा रही है। कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए अमेरिका में दवा कंपनी फाइजर-बायोएनटेक तथा मॉडर्ना के टीके की आपूर्ति की जा रही है।

अमेरिका के डिफेंस पॉलिसी बिल पर ट्रंप ने लगाया वीटो, 28 को सदन में फिर जाएगा ये बिल

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 740 बिलियन डालर के डिफेंस पॉलिसी बिल पर वीटो लगा दिया है। ट्रंप ने कहा है कि इस बिल से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है। यह पहला मौका है जब सर्वसम्मति से पारित किसी बिल पर राष्ट्रपति ने वीटो लगाया है।

पिछले सप्ताह ही 2021 के लिए नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट (एनडीएए) को हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव और सीनेट दोनों में ही बहुमत के साथ पारित किया गया था। ट्रंप ने कहा है कि यह बिल राष्ट्रीय सुरक्षा के पैमानों पर खरा नहीं उतरता है। उन्होंने पूर्व में आपत्ति जताई थी कि इस बिल में कम्युनिकेशन डिसेंसी एक्ट की धारा 230 को निरस्त करने वाला प्रावधान नहीं है, जो फेसबुक और ट्विटर जैसी बड़ी कंपनियों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है।

बिल में भारत-चीन तनाव का भी है जिक्र

बिल को उन्होंने चीन और रूस के लिए एक तरह से उपहार बताया। बिल में भारत-चीन तनाव का भी जिक्र है। बिल पर राष्ट्रपति ट्रंप का वीटो लगने के बाद उसको पास करने के लिए हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव और सीनेट में दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी।

ट्रंप के इस कदम की हाउस स्पीकर पेलोसी सहित कई सांसदों ने आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह 28 दिसंबर को सदन द्विदलीय समर्थन से वीटो को निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू करेगा।

हाउस आर्म्ड सर्विस कमेटी के चेयरमैन एडम चिफ ने कहा है कि ट्रंप के वीटो लगाने से तमाम दिक्कतें खड़ी हो जाएंगीं। इसका मतलब है कि ट्रंप सेना और उनके परिजनों की जरूरत के बारे में कोई चिंता नहीं करते हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री कुरैशी ने कहा- भारत के साथ वार्ता की कोई संभावना नहीं

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

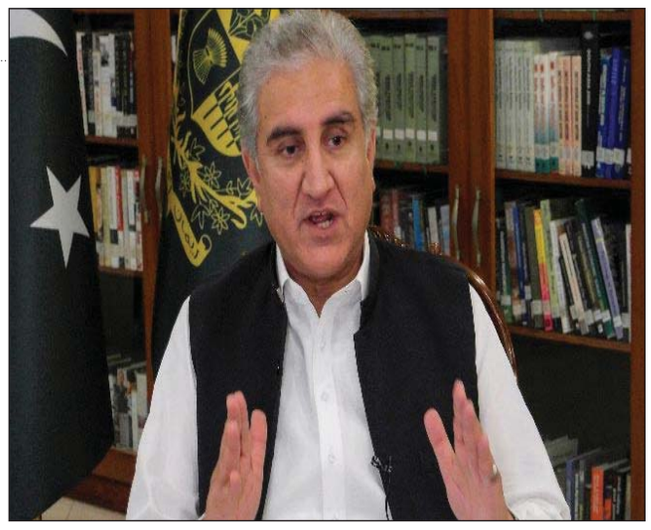

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा है कि वर्तमान में जो हालात चल रहे हैं उनमें भारत के साथ कूटनीतिक वार्ता की कोई संभावना नहीं है। एक मीडिया रिपोर्ट में बृहस्पतिवार को यह कहा गया। नयी दिल्ली अपने इस रूख पर कायम है कि 'वार्ता और आतंकवाद' साथ-साथ नहीं चल सकते हैं तथा वह इस्लामाबाद से बार-बार यह कहता रहा है कि वह भारत के खिलाफ हमले करने के लिए जिम्मेदार विभिन्न आतंकी समूहों के खिलाफ स्पष्ट कदम उठाए।

डॉन अखबार ने कुरैशी के हवाले से कहा, ''वर्तमान हालात में भारत के साथ पीछे के दरवाजे से या फिर कूटनीतिक वार्ता की कोई संभावना नहीं है...इस वक्त संवाद के लिए परिस्थितियां उचित नहीं हैं।'' अखबार के मुताबिक कुरैशी अपने गृहनगर मुल्तान में संवाददाताओं से बात कर रहे थे जब उन्होंने ये टिप्पणियां कीं।

पठानकोट वायुसेना अड्डे पर 2016 में पाकिस्तान के आतंकवादी समूहों ने हमला किया था उसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध बेहद खराब हो गए। इसके बाद उरी में भारतीय सेना के शिविर पर हमले समेत कई अन्य हमलों के चलते दोनों देशों के बीच संबंध रसातल में चले गए।

ब्रिटेन में कोरोना की दूसरी स्ट्रेन मिलने के बाद एक दिन में रिकॉर्ड 744 संक्रमितों की मौत, नाइजीरिया तक पहुंचा संकट

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन में कोरोना वायरस का एक और नया प्रकार मिलने के बाद इस देश में एक दिन में रिकॉर्ड संख्या में मरीजों की मौत हुई है। इस बीच, यह अंदेशा जताया गया है कि नाइजीरिया से नए प्रकार का कोरोना वायरस उभरा हो सकता है। ब्रिटिश स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक ने एक दिन पहले बताया था कि देश में कोरोना का एक और नया रूप पाया गया है। वायरस का यह नया रूप दक्षिण अफ्रीका में पैदा हुआ और वहां से आए दो लोगों के जरिये यह ब्रिटेन पहुंचा।

ब्रिटेन में रिकॉर्ड मौतें

ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में बुधवार को 744 कोरोना पीड़ितों की मौत हुई। गत अप्रैल के बाद पहली बार एक दिन में इतनी बड़ी संख्या में रोगियों की जान गई है। इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 69 हजार 157 हो गई है। कुल 21 लाख 55 हजार से अधिक संक्रमित मिले हैं।

नाइजीरिया में नया संकट

इधर, अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन के प्रमुख जॉन नकेंगसांग ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा कि कोरोना के नए वैरिएंट की उत्पत्ति नाइजीरिया में हुई प्रतीत हो रही है। हालांकि अभी जांच की और जरूरत है। इधर, एक रिसर्च पेपर के अनुसार, नाइजीरिया में गत तीन अगस्त और नौ अक्टूबर को दो रोगियों के नमूनों में यह नया वैरिएंट पाया गया है।

कैलिफोर्निया में मरीजों का आंकड़ा 20 लाख के पार

अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में मरीजों का आंकड़ा 20 लाख के पार पहुंच गया है। इस आंकड़े को छूने वाला यह अमेरिका का पहला प्रांत है। जबकि देशभर में कुल एक करोड़ 84 लाख से ज्यादा संक्रमित पाए गए हैं। तीन लाख 26 हजार से ज्यादा पीड़ितों की मौत हुई है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के डाटा के अनुसार, कैलिफोर्निया में कोरोना रोगियों की संख्या 20 लाख दस हजार से ज्यादा हो गई है। यहां कुल 23 हजार 651 पीड़ितों ने दम तोड़े हैं।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति में अब संक्रमण के लक्षण नहीं

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों में अब कोरोना संक्रमण के लक्षण नहीं हैं। वह गुरुवार को आइसोलेशन से बाहर आ गए। राष्ट्रपति के दफ्तर ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति की गत हफ्ते कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इस बीच, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में कोरोना मरीजों की संख्या 25 लाख के पार पहुंच गई। कुल करीब 62 हजार पीड़ितों की जान गई है।

इन देशों ने उठाए एहतियाती कदम

वहीं चीन और कनाडा ने भी एलान किया है कि वे भी ब्रिटेन से आने-जाने वाली उड़ानों को निलंबित करेंगे। दुनिया के कई देश ब्रिटेन के लिए उड़ानों पर पहले ही रोक लगा चुके हैं। उधर इजरायल में कोरोना की नई स्?ट्रेन से निपटने के लिए रविवार से तीसरी बार राष्ट्व्यापी लॉकडाउन लगाया जाएगा। इस दौर का लॉकडाउन 14 दिन प्रभावी रहेगा।

रूस : 29 हजार 935 नए मरीज पाए जाने से संक्रमित लोगों का आंकड़ा 29 लाख से अधिक हो गया। इस देश में कुल 53 हजार से ज्यादा मौत हुई है।

तुर्की : करीब 20 हजार नए संक्रमित मिलने से कोरोना पीड़ितों की संख्या 20 लाख के पार पहुंच गई है। 18 हजार से ज्यादा पीड़ितों ने दम तोड़े हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मैनपुरी:लखनऊप्रदेश में ग्राम प्रधानों को चुनाव जीतते ही मिलेंगे ११७ करोड़ रुपये

लखनऊ(एजेंसी)ग्राम प्रधानों का कार्यकाल २५-दिसंबर यानि क्रिसमस पर पूरा हो जाएगा इसके बाद प्रधानों को गांव में किसी भी तरह का विकास कार्य करने का अधिकार नहीं रहेगा गांवों में प्रशासक नियुक्तकरने की प्रक्रिया चल रही है २६-दिसंबर से प्रशासक जिम्मेदारी संभाल लेंगे ग्राम निधि के खातों में करीब ६० करोड़ की रकम खर्च होने से बच गई जबकि जनवरी में १५ वें वित्त आयोग की ५७ करोड़ की किस्त आने वाली है ऐसे में नए प्रधानों को शपथ लेते ही १२७-करोड़ ग्राम निधि के खातों में मिलेंगे

कोरोना के संक्रमण काल में ग्राम प्रधानों को हाथ खोलकर सरकारी रकम को खर्च करने का मौका नहीं मिला करीब सात महीने गांवों में ग्राम निधि से विकास कार्यों की रफ्तार थमी रही लॉक डाउन ने हालत और बिगाड़ दिए प्रधान अंतिम ओवरों में बेहतरीन बैटिंग नहीं कर सके वोटरों को लुभाने के लिए उनके घरों तक नाली खड़ंजा नहीं डलवा सके ग्राम निधि के खातों में जमा रकम को देखते ही रह गए बरेली की ११९३ ग्राम पंचायतों में करीब ६०-करोड़ की रकम खर्च होने से बच गई हालांकि ग्राम प्रधान अंतिम दिनों में इधर-उधर के बिल लगाकर भुगतान कराने की कोशिश कर रहे हैं जांच के डर से पंचायत सेक्रेटरी भुगतान के दस्तावेज साइन करने से घबरा रहे हैं अब अप्रैल में ग्राम पंचायत का चुनाव होने की उम्मीद जताई जा रही है

धर्मेंद्र कुमार, डीपीआरओ ने बताया कि ग्राम प्रधानों का कार्यकाल २५-दिसंबर को समाप्त हो जाएगा ग्राम पंचायतों में प्रशासक नियुक्तहोंगे ग्राम निधि के खातों में विकास कार्यों की कई करोड़ की रकम है जनवरी में १५ वें वित्त आयोग की किस्त भी ग्राम निधि के खाते में जाएगी २५ के बाद ग्राम प्रधानों को किसी तरह के भुगतान का अधिकार नहीं होगा।

किसानों से धोखेबाजी करने वालों को होगी जेल-योगी

लखनऊ(एजेंसी)।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि किसानों के साथ धोखा करने को जेल भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री ने धान क्रय केंद्रों पर दलालों की गतिविधियों पर नजर रखने की जरूरत बताते हुए पुलिस और प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि किसानों को ७२ घंटे में धान का मूल्य उपलब्ध करा दिया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को यहां धान खरीद को लेकर उच्चस्तरीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि धान खरीद में गड़बड़ी करने वालों पर सख्त कारवाई करें। जरूरत पड़े तो दोषी लोगों को जेल भी भेजें। उन्होंने कहा है कि किसानों का हित संरक्षण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान कोई अधिकारी हो या कर्मचारी अथवा निजी संस्था, किसी को भी किसानों के हक के साथ खिलवाड़ करने नहीं दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा प्रदेश में धान खरीद की सुचारू कार्यवाही में कुछ लोग रोड़ा अटकाना चाह रहे हैं, इनसे सख्ती के साथ निपटा जाए। मुख्यमंत्री ने धान क्रय केंद्रों पर दलालों की गतिविधियों पर नजर रखने की जरूरत बताते हुए पुलिस और प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि किसानों को ७२ घंटे में धान का मूल्य उपलब्ध करा दिया जाए।

शादी का झांसा देकर किया महिला का यौन शोषण, गिरफ्तार

रायबरेली (एजेंसी)। जिले के ऊँचाहार इलाके में एक महिला को शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को पीड़ित ने थाना ऊँचाहार में तहरीर देकर कहा था कि नरेंद्र कुमार यादव ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब उसने शादी करने की बात कही तो नरेन्द्र और उसके परिवार वालों ने जान से मारने की धमकी दी और शादी से मना कर दिया। पुलिस ने आज नरेन्द्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया तथा महिला को मेडिकल जांच के लिये अस्पताल भेजा गया है।

महिला ने देवर पर लगाया बलात्कार का आरोप

बलिया (एजेंसी)। जिले के रेवती थाना क्षेत्र के एक गांव में एक महिला ने अपने देवर पर बलात्कार करने का आरोप लगाया है। बुधवार को एक महिला की शिकायत पर व्यक्ति के खिलाफ बलात्कार और जान से मारने की धमकी देने के आरोपों पर भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महिला ने शिकायत की है कि वह घर में अकेली थी और उसके देवर ने चाकू का भय दिखाकर कथित रूप से बलात्कार किया तथा जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस ने महिला को चिकित्सा जांच के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है और मामले की छानबीन कर रही है। घटना के संबंध में अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है।

२० दिन तक जिलों में प्रवास कर पार्टी संगठन को मजबूत करेंगे कांग्रेस पदाधिकारी

लखनऊ (एजेंसी)। सुस्त पड़े कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और संगठन को एक बार फिर से खड़ा करने के लिए प्रदेष कांग्रेस के सभी पदाधिकारी अब जिलों में २० दिन प्रवास करेंगे। तय कार्यक्रम के मुताबिक आगामी तीन जनवरी से प्रदेश पदाधिकारी अपने-अपने प्रभार वाले जिलों, क्षेत्रों में रहकर संगठन के निर्माण में सहयोग करेंगे और उसे समयबद्ध तरीके से पूर्ण करायेंगे। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं उप्र प्रभारी प्रियंका गांधी ने पदाधिकारियों को पूरे मनोयोग से संगठन को समयबद्ध तरीके से मजबूत बनाने के लिए जुटने को कहा है।

प्रदेष कांग्रेस की कार्यकारिणी की गुरुवार को यहां बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेष कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने की। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव-सहप्रभारी उप्र जुबेर खान, धीरज गुर्जर, सचिन नाईक, बाजीराव खाड़े एवं रोहित चैधरी सहित सभी पदाधिकारी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

बैठक को पार्टी महासचिव एवं उप्र प्रभारी प्रियंका गांधी ने लाइव संबोधित किया। उन्होंने पदाधिकारियों को और अधिक गति से संगठन को मजबूत बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी अपने-अपने प्रभार वाले जनपदों में २० दिन तक प्रवास करेंगे और इस दौरान वह संगठन को मजबूत बनाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी तीन जनवरी से प्रदेश पदाधिकारी अपने-अपने प्रभार वाले जनपद, क्षेत्र में रहकर संगठन के निर्माण में सहयोग करेंगे और उसे समयबद्ध तरीके से पूर्ण करायेंगे।

उन्होंने सभी प्रदेश पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि उन्हें पूरे मनोयोग से संगठन को समयबद्ध तरीके से मजबूत बनाना है। उन्होनें कहा कि सभी पदाधिकरियों की पहली जिम्मेदारी संगठन का निर्माण करना है। इसके लिए उन्हें अपने-अपने प्रभार वाले जनपदों में रहकर कार्य करना होगा।

बैठक में बताया गया कि संगठन सृजन अभियान के तहत अभी तक ब्लाकों का गठन पूर्ण हो चुका है और न्याय पंचायत स्तर तक संगठन को और अधिक तेजी लाते हुए गठन का कार्य पूरा करना है।

बैठक में प्रदेश कांग्रेस के प्रत्येक पदाधिकारियों को एक-एक जिले की कमान सौंपी गयी जिन्हें उस जनपद में रहकर संगठन को तैयार करने और गतिशील बनाने हेतु जुटना है। बैठक के दूसरे सत्र में प्रदेश कांग्रेस के जिला एवं शहर अध्यक्षों की बैठक हुई। जिसमें आगामी २८ दिसम्बर को ''कांग्रेस स्थापना दिवस'' को जिलों-जिलों में व्यापक पैमाने पर मनाये जाने और ''कांग्रेस संदेश पदयात्रा'' निकाले जाने का निर्देश प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने दिया। उन्होने कहा कि कांग्रेस स्थापना दिवस २८ दिसम्बर से लेकर ३० दिसम्बर तक जिला एवं शहर इकाइयों द्वारा ''कांग्रेस संदेश पदयात्रा'' निकाली जाएगी। उन्होने कहा कि सभी लोगों को पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ इस कार्यक्रम को अपने-अपने जिलों में करना है। बैठक के अन्त में शोक प्रस्ताव पारित कर कांग्रेस के वरिष्ठतम नेता, मोतीलाल वोरा के आकस्मिक निधन पर दो मिनट मौन रहकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

योगी सरकार ने लिए वापस मुजफ्फरनगर दंगों के दोषी भाजपा विधायकों पर दर्ज केस

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने करीब सात वर्ष पहले के मुजफ्फरनगर दंगे में आरोपी रहे सरकार ने कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा, राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल तथा विधायक संगीत सोम के खिलाफ केस वापस ले लिया है।

उल्लेखनीय है कि मुजफ्फरनगर दंगे को लेकर करीब सात वर्ष मंत्री सुरेश राना, कपिलदेव अग्रवाल के साथ विधायक संगीत सोम के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने तथा दंगा फैलाने का आरोप लगाकर केस दर्ज कराया गया था। अब अधिवक्ता राजीव शर्मा ने मुजफ्फरनगर कोर्ट में इन सभी के खिलाफ केस को वापस लेने की अर्जी दे दी है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा, राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल के साथ भाजपा विधायक संगीत सोम पर दर्ज मुकदमों को वापस ले लिया है। इसकी प्रक्रिया में सरकारी वकील राजीव शर्मा ने मुजफ्फरनगर की एडीजे कोर्ट में इन सभी के खिलाफ मुकदमा वापसी के लिए अर्जी दी है। याद हो कि मुजफ्फरनगर में सात सितंबर २०१३ में नंगला मंदौड़ की महापंचायत के बाद इन नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। भाजपा नेताओं पर भड़काऊ भाषण, धारा १४४ का उल्लंघन, आगजनी और तोडफोड़ की धाराओं में केस दर्ज किया गया था।

मुजफ्फरनगर में सचिन और गौरव की हत्या के बाद यहां महापंचायत बुलाई गई थी। मुजफ्फरनगर दंगे की शुरुआत २७ अगस्त २०१३ को कवाल गांव से हुई थी। सचिन, गौरव और शाहनवाज के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इस झगड़े के बाद शाहनवाज की हत्या कर दी गई थी। शाहनवाज की मौत के बाद सचिन और गौरव की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी।

इन हत्याओं के बाद मुजफ्फरनगर और शामली और उसके आसपास के इलाकों में सांप्रदायिक दंगे भड़के थे।

इन दंगों में ६० लोग मारे गए थे और ४० हजार से अधिक लोग विस्थापित हुए थे।

फास्टैग वाहनों के रजिस्ट्रेशन पर रोक

लखनऊ(एजेंसी)।१ जनवरी से टोल प्लाजा से गुजरने वाले चार पहिया वाहनों पर फास्टैग जरूरी है। ऐसे में बिना फास्टैग वाहनों के रजिस्ट्रेशन पर २५ दिसंबर से रोक लगा दी जाएगी। इस संबंध में आरटीओ ने बुधवार को डीलरों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। आरटीओ प्रशासन रामफेर द्विवेदी बताते हैं कि सभी चार पहिया वाहनों में फास्टैग अनिवार्य होगा। साथ ही चेकिंग दल वाहन चालकों को फास्टैग लगवाने के लिए चेतावनी भी देंगे। उन्होंने बताया कि लखनऊ आरटीओ कार्यालय में हर प्रकार के चार पहिया पंजीकृत वाहनों की संख्या छह लाख के पार है। इनमें सवा लाख के करीब वाहन चलन में नहीं हैं। उधर, डेढ़ लाख व्यावसायिक वाहन हैं और तीन लाख से ऊपर निजी वाहनों का रजिस्ट्रेशन है। इनमें मात्र २५ फीसदी वाहनों में ही फास्टैग लगे हैं। नेशनल हाईवे के टोल प्लाजा पर बिना फास्टैग लगे वाहन को टोल टैक्स में छूट नहीं मिलेगी। नए नियम के तहत यदि वाहन चालक २४ घंटे के भीतर लौट रहे हैं और फास्टैग वाहन पर लगा है तो टोल टैक्स में ५० फीसदी छूट मिलेगी। यानी एक तरफ का टोल टैक्स माफ हो जाएगा। एनएचएआई के परियोजना निदेशक एनएन गिरि ने बताया कि ऐसा फास्टैग सिस्टम के प्रति वाहन स्वामियों को आकर्षित करने के लिए किया गया है। इसके पीछे डिजिटल कैशलेस प्रणाली को पूरी तरह लागू करने की भी सोच है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने एक जनवरी से सभी वाहनों पर फास्टैग अनिवार्य कर दिया है।

माफिया मुख्तार अंसारी सबूतों के आभाव में तीन मामलों में कोर्ट से बरी हुआ

होटल खरीद फर्जीवाड़े पर मुख्तार के बेटों अब्बास व उमर को नहीं मिली अग्रिम जमानत

लखनऊ(एजेंसी)। पंजाब के रोपड़ जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी को सबूतों के आभाव में एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट ने तीन मामलों में बरी कर दिया है। हालांकि, गाजीपुर में गजल होटल खरीद फरोख्त में फर्जीवाड़े के मामले में मुख्तार अंसारी के दोनों बेटों अब्बास अंसारी व उमर अंसारी की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी गई है।

जिन तीन मामलों में मुख़्तार अंसारी को बरी किया गया है, उनमें से एक २८ अप्रैल २००३ का है। उस वक्त लखनऊ के तत्कालीन जेलर एसके अवस्थी ने अंसारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। मुख्तार पर जेलर से गाली गलौज करते हुए पिस्तौल तानने का आरोप था। इसके अलावा १९९९ में तत्कालीन डीआईजी (जेल) एसपी सिंह पुंढीर ने कृष्णा नगर थाने में मुख़्तार अंसारी के खिलाफ धमकाने की एफआईआर दर्ज कराई थी। साथ ही गैंगस्टर एक्ट के तहत हजरतगंज कोतवाली में भी एक मामला दर्ज हुआ था। इन सभी मामलों में साक्ष्यों के आभाव में मुख़्तार को बरी कर दिया गया।

दुबई से लाया गया ३८ लाख का सोना अमौसी एयरपोर्ट पर कस्टम ने पकड़ा

लखनऊ (एजेंसी)। चैधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर दुबई से लाया गया लाखों का सोना कस्टम की टीम ने पकड़ लिया। गुरुवार को तस्कर सोने की फॉयल बनाकर उसको ट्रॉली बैग में छिपाकर लखनऊ लेकर आए थे। यहां कस्टम विभाग की टीम ने बैग से ३८ लाख १२ हजार ६७० का सोना बरामद किया। चैधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम की उपायुक्त निहारिका लाखा ने दुबई से आए विमान के यात्री के ट्राली बैग की जांच की तो उसमें सोने की ढाली गई फायल मिली। उपायुक्त निहारिका लाखा ने बताया कि यात्री ने ट्राली बैग में सोने को खिलौनों के बॉक्स के कार्ड बोर्ड, चाय पत्ती के बॉक्स और ट्रॉली बैग के निचले हिस्से में लगाए गए कार्ड बोर्ड में छुपा रखा था। कस्टम ने बबरामद सोने को सीमा शुल्क के प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया है। बैग से ७२९ ग्राम सोना बरामद किया गया है। इसकी कीमत ३८,१२६७० लाख रुए बतायी जा रही है।

सार-समाचार

बैंक कर्मचारी की तानाशाही के चलते खाता धारकों में आक्रोश

हैदरगढ़ बाराबंकी (एजेंसी)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की स्थानीय शाखा के कर्मचारियों की तानाशाह कार्यप्रणाली के चलते खाता धारको को तमाम कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, कर्मचारियों की तानाशाही से आजिज तमाम खाताधारकों ने खाता बंद करने का मन बना लिया है। कर्मचारियों की लापरवाही को लेकर खाताधारकों ने आनलाइन शिकायत भी दर्ज कराई उल्लेखनीय है कि नगर के मुख्य चौराहे के निकट बैंक की स्थानीय शाखा कार्यरत है इस शाखा के कर्मचारियों के खराब व्यवहार व एटीएम मशीन का लगभग २ साल से न चलने के कारण हो रही समस्या प्रमुख कारण है। बैंक मर्जर के चलते तकनीकी समस्या के उपरांत बैंक में जाने पर बैंक के कर्मचारियों द्वारा गलत व्यवहार समय से कामना करना सरवर की समस्या बताना आम बात हो गई है खाताधारक सौरभ पांडे महेंद्र मिश्रा निसार कुरेशी शशांक यज्ञसैनी आदि खाताधारकों ने बताया कि यूनियन बैंक स्टाफ द्वारा हम लोगों व अन्य खाताधारकों से दुर्व्यवहार किया जा रहा है जबकि ग्रामीण क्षेत्र होने की वजह से अशिक्षित वर्ग भी बड़ी संख्या में बैंक से जुड़ा है बैंक द्वारा छोटी-छोटी समस्याओं पर भी खाताधारकों को पूरा पूरा दिन बैंक परिसर में बैठना पड़ता है और कई कई दिन तक एक काम के लिए ही बैंक जाना पड़ रहा है।

डीएम ने कम्बल बांटकर दिलाई विधवाओं को पेंशन

अलीगढ़ (एजेंसी)। दायित्व संस्था के अनुरोध पर आयोजित मिशन शक्तिकार्यक्रम के तहत लगभग १७ महिलाओं को डीएम ने कंबल बांटे और गांव गांव से चिन्हित ९ महिलाओं को विधवा एवं वृद्धा पेंशन सहित एक दिव्यांग महिला को व्हीलचेयर का वितरण कर एक अनूठी मिसाल पेष की है।

डीएम चन्द्र भूशण सिंह ने कहा कि महिलाएं को सशक्त व जागरूक बनाने को लेकर यूपी के मुख्यमंत्री द्वारा मिशन शक्तिका शुभारंभ किया गया है। इस मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को जागरूक करने के लिए जनपद की सामाजिक संस्थाएं भी आगे आ

रही हैं। इसी क्रम में जनपद की एक दायित्व संस्था के द्वारा कलेक्ट्रेट में मिशन शक्तिके तहत डीएम चन्द्र भूषण सिंह ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई। दायित्व सामाजिक संस्था के द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय मे गांव गांव से चुनी गई ९ महिलाओं को विधवा पेंशन एवं वृद्धावस्था पेंशन का लाभ दिलाया। इसके साथ ही एक दिव्यांग महिला को व्हीलचेयर भी प्रदान की गई। इस मौके पर जिलाधिकारी द्वारा कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें २०० महिलाओं को कंबल वितरण किए गए। इस अवसर पर दायित्व संस्था के पदाधिकारी कल्पना सिंह, निक्की अग्रवाल, साक्षी, ईशा गुप्ता, आयुष चौहान, आरव सिंह, मोहित,मौजूद रहे।

युवती से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, बनाया अश्लील वीडियो, आरोपी गिरफ्तार

बलिया (एजेंसी)। जिले में एक युवती से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। मामला सुखपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। गिरफ्तार युवक पर लड़की से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने, अश्लील वीडियो वायरल करने एवं मारपीट करने का आरोप है। सुखपुरा पुलिस ने बुधवार को भोजपुर पुलिया से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए अभियुक्तने पूछताछ में में अपना नाम व पता अफजल निवासी नोनेपुर कारों, थाना चितबड़ागांव बताया। युवक के माता-पिता भी आरोपी हैं, लेकिन अभी पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर पाई है। लड़की ने थाना सुखपुरा को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि युवक अपने बहन के यहां आता जाता था और मेरी ननिहाल भी वहीं पर है। वह मेरे घर भी आता था। इसी में उससे मेरी दोस्ती हो गई। हम दोनों शादी करने के लिए राजी हुए। दोनों पक्ष के बड़े-बुजुर्ग भी इसे स्वीकार कर शादी करने पर अपनी सहमति दे दी। इसके बाद वह २०१५ से मुझे अपने साथ घुमाने लगा और मेरे साथ अश्लील हरकत कर उसका वीडियो बनाया, साथ ही मेरा शारीरिक शोषण भी किया। जब भी मैं शादी का दबाव बनाती थी वह टालमटोल करता रहा।

मेरे ज्यादा जोर देने पर वह अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी भी देने लगा। इस बीच जब मेरे परिजन और मैंने शादी का एक बार फिर दबाव बनाया तो उसने मुझे सुखपुरा के एक मंदिर पर मिलने के लिए बुलाया। उसके साथ उसके माता-पिता भी थे। मैंने शादी का प्रस्ताव रखा तो उसने गाली गलौज करने के साथ मुझे मारा-पीटा और मेरे माता-पिता को जान से मारने की धमकी दी। किसी तरह वहां से जान बचाकर अपने घर आई। तहरीर में लड़की ने अफजल के पिता किताबुद्दीन व माता रसीदन को भी आरोपी बनाया है। सुखपुरा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तुरंत कार्रवाई करते हुए अफजल को भोजपुर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया।

९२० ग्राम चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

बहराइच (एजेंसी)। जिले में रुईडीहा पुलिस ने एक व्यक्तिको ९२० ग्राम नेपाली चरस सहित गिरफ्तार कर जेल भेजा है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस बार्डर गश्त कर रहे थे। एक संदिग्ध व्यक्तिको देखकर इन लोगों ने उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान इसके छोटे से झोले में ९२० ग्राम चरस बरामद हुई। पकड़े गए व्यक्तिकी पहचान अकबर अली पुत्र नजीर अली निवासी सुजौली बाबाकुट्टी थाना रुईडीहा के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

जमीन से हवा में मार करने में सक्षम मध्यम रेंज की मिसाइल का सफल परीक्षण, श्रीपद नाइक ने डीआरडीओ को दी बधाई

पणजी। केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने बृहस्पतिवार को जमीन से हवा में मार करने में सक्षम मध्यम रेंज की मिसाइल (एमआरएसएएम) के प्रक्षेपण के लिए बृहस्पतिवार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को बधाई दी। भारत ने जमीन से हवा में मार करने में सक्षम मध्यम रेंज की मिसाइल (एमआरएसएएम) का बुधवार को ओडिशा के तट से सफल परीक्षण किया था।

नाइक ने ट्वीट किया, '' डीआरडीओ को ओडिशा के तट से कल जमीन से हवा में मार करने में सक्षम मध्यम रेंज की पहली मिसाइल के प्रक्षेपण के लिए बधाई।' 'भारत डायनामिक्स लिमिटेड' ने एमआरएसएएम का निर्माण किया है। सूत्रों ने बुधवार को बताया था कि भारतीय सेना में इसको शामिल करने से रक्षा बलों की युद्धक क्षमता में और बढ़ोतरी होगी।

बंगाल चुनाव 2021: वामदलों के साथ गठबंधन करेगी कांग्रेस, आलाकमान ने दी मंजूरी

नयी दिल्ली। कांग्रेस आलाकमान ने अगले साल होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में वाम दलों के साथ गठबंधन करने के प्रस्ताव को बृहस्पतिवार को औपचारिक रूप से स्वीकृति प्रदान कर दी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस आलाकमान ने पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में वाम दलों के साथ गठबंधन को आज औपचारिक रूप से स्वीकृति प्रदान की।''

कांग्रेस के पश्चिम बंगाल प्रभारी जितिन प्रसाद ने कहा, ''इस चुनाव में कांग्रेस इस गठबंधन में पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ेगी। यह चुनाव पश्चिम बंगाल की अस्मिता, संस्कृति और संस्कार को बचाने का है जिन पर चोट करने की कोशिश की जा रही है।'' प्रसाद ने हाल ही में पश्चिम बंगाल का दौरा किया था और वहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं की राय लेकर नेतृत्व को इससे अवगत कराया था। इसके बाद नेतृत्व ने गठबंधन करने को हरी झंडी दी है। साल 2016 के विधानसभा चुनाव में भी वाम दल और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़े थे। हालांकि ये दोनों केरल में एक दूसरे मुख्य विरोधी हैं।

राघव चड्ढा ने भाजपा पर लगाया आरोप, कहा- मेरे दफ्तर और कर्मचारियों पर किया हमला

नयी दिल्ली। दिल्ली जलबोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने यहां झंडेवालान स्थित बोर्ड के मुख्यालय में उनके दफ्तर में तोड़फोड़ की और कर्मचारियों पर हमला किया। बहरहाल, भाजपा ने इसका खंडन करते हुए आरोप लगाया कि हमला आम आदमी पार्टी (आप) ने खुद कराया है। चड्ढा ने दावा किया कि कुछ कर्मचारियों को चोटें भी आई हैं। विधायक का आरोप है, ' करीब 250 लोग मेरे दफ्तर में घुसे और शीशे, दरवाजे और पोट तोड़ दिए। उन्होंने मेरे कर्मियों को धमकाया और उनपर हमला किया।'

उन्होंने दावा किया कि भाजपा कार्यकर्ता जल बोर्ड के मुख्यालय पर प्रदर्शन करने आए थे और पुलिस ने उन्हें परिसर में आने दिया। चड्ढा ने एक वीडियो ट्वीट किया जिसमें कथित रूप से टूटे हुए दरवाजे, शीशे, पोट, फर्नीचर एवं जमीन पर खून के निशान दिख रहे हैं। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता वीरेंद्र बब्बर ने आरोप लगाया कि आप ने खुद इस हमले की योजना बनाई है और अब भगवा दल को जिम्मेदार ठहरा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने प्रदेश भाजपा प्रमुख आदेश गुप्ता और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है लेकिन वे इन हथकंडों से डरने वाले नहीं हैं।

ब्रिटेन से लौटे दो संक्रमितों के चले जाने की खबर पर हवाई अड्डे के अधिकारियों से करूंगा बात: सत्येंद्र जैन

नयी दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बृहस्पतिवार को कहा कि नगर सरकार हवाई अड्डे के अधिकारियों से इस खबर को लेकर बात करेगी कि ब्रिटेन से आए कोरोना वायरस से संक्रमित दो यात्री हवाई अड्डे से चले गए थे। ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए प्रकार (स्ट्रेन) का पता चलने के बाद से बढ़ी चिंताओं के बीच दिल्ली सरकार ने मंगलवार को कहा था कि ब्रिटेन से जो लोग आए हैं, उनका पता लगाकर उनकी जांच की जाएगी और संक्रमित पाए जाने पर एलएनजेपी अस्पताल में अलग से पृथक रखने के लिए केंद्र बनाया जा रहा है।

प्रेस वार्ता में जैन से इस खबर के बारे में पूछा गया कि मंगलवार को दिल्ली हवाई पर आए दो यात्री कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बावजूद पंजाब और आंध्र प्रदेश चले गए तो मंत्री ने कहा, मैंने भी आज के अखबार में यह खबर पढ़ी है। जैन ने कहा कि वहां पर उड़ान संचालन एवं सुरक्षा, हवाई अड्डा प्राधिकरण के तहत आती है...लेकिन ऐसा व्यक्ति जो कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया हो, उसे नहीं जाना चाहिए था। दिल्ली हवाई अड्डे पर कोविड-19 के लिए नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी पर सवाल किए जाने पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, हम इस बारे में हवाई अड्डा के अधिकारियों से बात करेंगे।

खबर के मुताबिक, ब्रिटेन से आए दो यात्री हवाई अड्डे से निकल गए थे और उन्हें तलाश कर वापस दिल्ली लाया गया। ब्रिटेन से आने वाले सभी यात्रियों की दिल्ली हवाई अड्डे पर कोविड-19 की जांच की जा रही है।

चीन से मुकाबले के लिए तैयार भारत, भूटान से लगी सीमा पर 22 अग्रिम चौकियां बनीं, एसएसबी के जवान हुए तैनात

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

चीन से तनाव के बीच सशस्त्र सीमा बल ने भारत-भूटान सीमा के नजदीक 22 अग्रिम चौकियों का निर्माण किया है। ये सभी चौकियां सीमा से लगती प्रमुख जगहों पर बनाई गई हैं। इनके निर्माण के बाद अब एसएसबी के पास समुद्री स्तर से 12 हजार फीट की ऊंचाई पर बनी हुई कई महत्वपूर्ण चौकियां हो गई हैं।

सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को भारत-भूटान-तिब्बत की सीमा के पास तैनात किया गया है और जवान लगातार सीमा की सुरक्षा में लगे रहते हैं। सीमा पर नई चौकियां बनने की वजह से और गहन तरीके से सुरक्षा की जा सकेगी। बता दें कि एसएसबी जवानों का भारतीय सेना के जवानों के बराबर ही महत्व है। साल 2017 में चीनी सेना के साथ हुए लंबे गतिरोध के दौरान एसएसबी के जवान अपना जौहर दिखा चुके हैं।

722 चौकियां बना चुकी है एसएसबी

इन नई 22 चौकियों के बनने के बाद, अब एसएसबी अपने स्वीकृत चौकियों को पूरा करने के बेहद करीब पहुंच चुकी है। यह संख्या कुल 734 की है और एसएसबी अब तक सीमा पर 722 चौकियां बना चुकी है। सिर्फ 12 का निर्माण ही बाकी रह गया है। एसएसबी के शीर्ष अधिकारी ने बताया, 'सीमा पर बनीं इन नई चौकियों की मदद से ट्राई-जंक्शन बॉर्डर पर एसएसबी की ताकत पहले के मुकाबले और अधिक बढ़ जाएगी। ये 22 चौकियों को रिकॉर्ड समय में बनाया गया है और ज्यादातर भारत-भूटान बॉर्डर के पास ही हैं।'

बहुत तेजी से किया गया इन चौकियों का निर्माण

सूत्रों ने आगे कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव के बीच, इन चौकियों का निर्माण कार्य पिछले वर्षों में बनाई गईं चौकियों की तुलना में बहुत तेजी से किया गया है। वहीं, अधिकारी ने आगे कहा कि कुल स्वीकृत की गईं चौकियों में अब सिर्फ 12 चौकियों का निर्माण होना ही बाकी है। ये 12 चौकियां भारत-भूटान सीमा पर बनाई जानी हैं। ये वहां बनेंगी जहां पर लद्दाख की तरह तापमान माइनस जीरो हो जाता है।

बता दें कि एलएसी पर चीन के साथ जारी गतिरोध की वजह से एसएसबी ने अपने एक भी जवान को ट्राई-जंक्शन समेत महत्वपूर्ण सीमा वाले इलाकों से अलग नहीं किया है। एसएसबी के अधिकारी ने बताया, 'एलएसी पर जारी तनाव के बीच, हमने अपने एक भी जवान को किसी भी लॉ एंड ऑर्डर ड्यूटी के लिए नहीं भेजा है। सभी जवान चौकियों पर ही तैनात हैं। वहीं, अगर स्टाफ की कमी होती भी है, तो उसे तुरंत पूरा कर लिया जाएगा। वर्तमान में, इन क्षेत्रों में तैनात एसएसबी की 100 प्रतिशत ताकत है।' उन्होंने आगे बताया कि हम अन्य हिस्सों से जवानों को वापस बुलाकर उन्हें जरूरत के अनुसार देश के अन्य हिस्सों में भेज रहे हैं। प्रमुख सीमा क्षेत्रों में तैनात जवानों की संख्या भविष्य में भी कम नहीं की जाएगी।

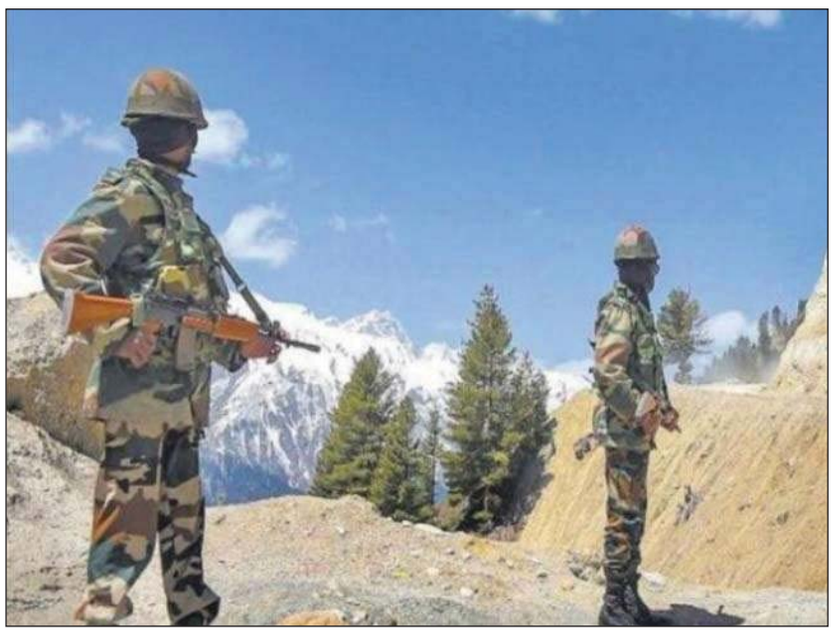

कोरोना संकट ने भारत में नवाचार और उद्यम को प्रेरित किया: हर्षवर्धन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी संकट ने भारत में नवाचार एवं उद्यम को बढ़ावा दिया है और प्रासंगिक प्रौद्योगिकी समाधानों की पहचान और उसका समर्थन के लिए पूरे स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की व्यापक मैपिंग की गई है। इंडिया इंटरनेशनल विज्ञान महोत्सव के दौरान विदेशों के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रियों एवं राजनयिकों के सम्मेलन को संबोधित करते हुये हर्षवर्धन ने कहा कि स्टार्टअप कंपनियों द्वारा विकसित 51 नवीन उत्पादों को बाजार की जरुरतों के हिसाब से जल्दी तैयार करने और उन्हें बाजार में उतारने के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है।

मंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के माध्यम से ऐसे उद्योगों का समर्थन करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है जिनके पास व्यवसायीकरण या स्केल-अप करने के लिए एक उपयुक्त और परखा हुआ उत्पाद या प्रौद्योगिकी है। उन्होंने कहा, ''संकट ने भारत में नवाचार और उद्यम को प्रेरित किया है। पूरे स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र की व्यापक मैपिंग की गई है ताकि स्केल-अप के लिए तैयार प्रासंगिक प्रौद्योगिकी समाधानों की पहचान और उनका समर्थन किया जा सके।'' इस कार्यक्रम में अफगानिस्तान, कम्बोडिया, म्यामां, फिलिपिन्स, श्रीलंका, एवं उज्बेकिस्तान के

मंत्रियों एवं अधिकारियों ने वर्चुअल तरीके से हिस्सा लिया। इस बीच इंडिया इंटरनेशनल विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) में आज ग्लोबल इंडियन साइंटिस्ट्स एवं टेक्नोक्रेट्स से लेकर महिला वैज्ञानिक एवं उद्यमी कॉनक्लेव तक कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को चार दिवसीय आईआईएसएफ का उद्घाटन किया था और इसका वर्चुअल तरीके से इसका आयोजन किया जा रहा है। आज के कार्यक्रम में विभिन्न देशों के वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, अध्यापकों, अनुसंधानकर्ताओं, इंजीनियरों एवं छात्रों समेत अन्य ने हिस्सा लिया।

पांच दौर की वार्ता का नहीं निकला कोई नतीजा ! सरकार ने किसान यूनियनों को फिर किया आमंत्रित

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

सरकार ने प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों को वार्ता के लिए बृहस्पतिवार को फिर आमंत्रित किया, लेकिन स्पष्ट किया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित किसी भी नयी मांग को एजेंडे में शामिल करना ''तार्किक'' नहीं होगा, जिसका नए कृषि कानूनों से कोई संबंध नहीं है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव विवेक अग्रवाल ने 40 किसान नेताओं को लिखे तीन पन्नों के पत्र में कहा, ''मैं आपसे फिर आग्रह करता हूं कि सरकार प्रदर्शन को समाप्त कराने के लिए सभी मुद्दों पर खुले मन से और अच्छे इरादे से चर्चा करती रही है और ऐसा करती रहेगी। कृपया (अगले दौर की वार्ता के लिए) तारीख और समय बताएं।'' सरकार और किसान संगठनों के बीच पिछले पांच दौर की वार्ता का अब तक कोई नतीजा नहीं निकला है। दिल्ली की सीमाओं पर लगभग एक महीने से प्रदर्शन कर रहे किसान तीनों नए कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की मांग पर अड़े हैं। अग्रवाल ने किसान यूनियनों से कहा कि वे उन अन्य मुद्दों का भी ब्योरा दें जिनपर वे चर्चा करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि वार्ता मंत्री स्तर पर नयी दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में होगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुद्दे पर अग्रवाल ने कहा कि कृषि कानूनों का इससे कोई लेना-देना नहीं है और न ही इसका कृषि उत्पादों को तय दर पर खरीदने पर कोई असर पड़ेगा।

दिल्ली में प्राथमिकता श्रेणी में 51 लाख लोग, सरकार टीका लगाने के लिए पूरी तरह तैयार: केजरीवाल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार टीकाकरण के पहले चरण में टीके प्राप्त करने, उनका भंडारण करने और उन्हें शहर में प्राथमिकता श्रेणी वाले लोगों को लगाने के लिए पूरी तरह तैयार है। केजरीवाल ने कहा कि सरकार केंद्र से टीका मिलते ही टीकाकरण अभियान शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है और तीन प्राथमिकता श्रेणियों के उन लोगों के पंजीकरण का काम जारी है, जिन्हें सबसे पहले टीका लगेगा। मुख्यमंत्री ने एक डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''दिल्ली में प्राथमिकता श्रेणी में 51 लाख लोग हैं, जिनमें तीन लाख स्वास्थ्य कर्मी, अग्रिम मोर्चे पर काम कर रहे छह लाख कर्मी, 50 साल से अधिक आयु के लोग एवं किसी न किसी अन्य बीमारी से ग्रस्त 50 साल से कम आयु के 42 लाख लोग हैं।''

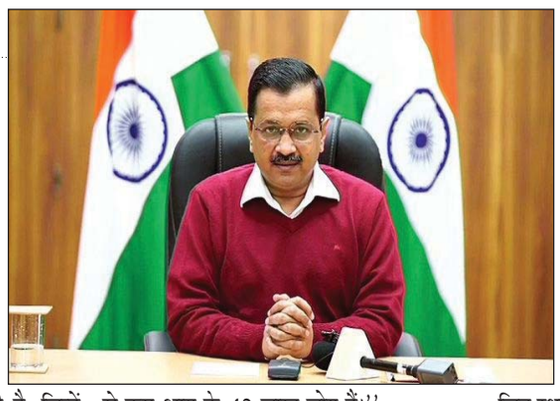

उन्होंने कहा कि प्राथमिकता वर्ग के हर व्यक्ति को दो खुराक दी जाएंगी और दिल्ली में टीकाकरण के पहले चरण में कुल 1.02 करोड़ खुराक की आवश्यकता होगी। केजरीवाल ने कहा कि इस समय कोविड-19 टीके की 74 लाख खुराकों की भंडारण क्षमता है और इसे एक सप्ताह में बढ़ाकर 1.15 करोड़ किया जाएगा। उन्होंने कहा किकोविड-19 का टीका लगाने के लिए प्राथमिकता श्रेणी के हर व्यक्ति का पंजीकरण किया जा रहा है। जब टीका लगवाने के लिए उनकी बारी आएगी, तो उन्हें एसएमएस और अन्य माध्यमों से इस बारे में सूचित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टीकाकरण के लिए आवश्यक कर्मियों, अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मियों को चिह्नित कर लिया गया है और उन्हें टीकाकरण मुहिम के लिए प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर टीका लगाया जाएगा, उन्हें तैयार कर दिया गया है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में पिछले कुछ दिन में कोविड-19 संबंधी हालात में सुधार आया है, लेकिन सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं, कि टीका कब उपलब्ध होगा और कब लोग इस वायरस से छुटकारा पाएंगे।

योगी आदित्यनाथ ने कोरोना वायरस के नए स्वरूप के बीच अतिरिक्त सतर्कता बरतने के दिए निर्देश

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रिटेन में फैले कोरोना वायरस के नए स्वरूप (स्ट्रेन) को लेकर चिंताओं के बीच राज्य में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को यहां लोक भवन में एक उच्च स्तरीय बैठक में 'अनलॉक व्यवस्था' की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने वायरस के नए स्वरूप के बारे में प्रदेश में जरूरी विशेषज्ञता विकसित किए जाने पर बल दिया है। उन्होंने कोविड उपचार के संबंध में सभी जरूरी प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। योगी ने कहा कि विदेशों से आए लोगों की सूची बनाकर उनकी जांच (टेस्टिंग) सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि जांच का परिणाम आने तक ऐसे व्यक्तियों को नियमानुसार घरों में पृथक-वास (होम आइसोलेशन) में रखा जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोविड चिकित्सालयों में

औषधियों, मेडिकल उपकरण सहित अन्य सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता प्रत्येक स्थिति में बनी रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार मेडिकल कॉलेजों की स्थापना को प्राथमिकता प्रदान कर रही है। उन्होंने तृतीय चरण में बनने वाले समस्त 14 मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की कार्यवाही को गति प्रदान करने के निर्देश देते हुए कहा कि इस संबंध में गम्भीरता से प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

महबूबा मुफ्ती का आरोप, जांच एजेंसियों को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा केंद्र

श्रीनगर। (एजेंसी)।

जम्मू कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र राजनीतिक फायदे के लिए एनआईए, ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों का इस्तेमाल ''हथियार'' के तौर पर कर रहा है। मुफ्ती ने कहा कि भाजपा को उनके दोस्तों, परिवार के लोगों और पार्टी के सहयोगियों को परेशान करना बंद करना चाहिए। श्रीनगर में अपने गुपकर आवास पर संवाददाता सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा को राजनीतिक तौर पर मुकाबला करना चाहिए और जांच एजेंसियों का दुरुपयोग बंद करना चाहिए। मुफ्ती ने कहा, ''केंद्र सरकार ने बदले की जो कार्रवाई शुरू की, वह चरम पर पहुंच चुका है। पिछले दो साल में उन्होंने मेरी संपत्ति या मेरे नाम पर आवास सब चीजों को खंगाल लिया। जब उन्हें कुछ नहीं मिला तो उन्होंने मेरे परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, दोस्तों और सहयोगियों के मकानों पर छापेमारी शुरू की। ईडी का दुरुपयोग किया जा रहा है। एनआईए और ईडी का इस्तेमाल हथियार के तौर पर किया जा रहा है।''

पीडीपी के नेता वाहिद पारा को आतंकी मामले में एनआईए द्वारा गिरफ्तार किए जाने का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, ''आपके (भाजपा) पास सरकार है, कई सांसद हैं। अगर आपको मुझसे लड़ना है तो एनआईए, ईडी और सीबीआई के जरिए नहीं राजनीतिक तौर पर मुकाबला करिए।'' मुफ्ती ने आरोप लगाया कि पारा को एक महीने तक एनआईए की हिरासत में इसलिए रखा गया ताकि ''वह ऐसा कुछ स्वीकार करें, जो मुझसे जुड़ा हो।'' मुफ्ती ने कहा कि अगर सरकार उनको हिरासत में लेना चाहती है तो वह सीधे उनके पास आए लेकिन परिवार के सदस्यों, दोस्तों और पार्टी के सहयोगियों को परेशान करना बंद करे। मुफ्ती ने कहा, ''अगर उनके पास एक महिला से राजनीतिक तौर पर लड़ने की ताकत नहीं है तो मुझे लगता है कि उन्हें चूड़ियां पहन लेनी चाहिए और घर में बैठना चाहिए...मुझे नहीं लगता कि उनके पास शासन करने की नैतिक ताकत है। जिस तरह के कदम वे उठा रहे हैं उस कारण से लोग सड़कों पर (प्रदर्शन के लिए) आ रहे हैं। उन्होंने संविधान को बर्बाद कर दिया है।''

इसे भी पढ़ें- ष्ठष्ठष्ट चुनाव के नतीजे घोषित ; गुपकर गठबंधन 110, भाजपा ने 75 सीटों पर दर्ज की जीत

पीडीपी प्रमुख ने आरोप लगाया कि सरकार दक्षिण कश्मीर के बिजबेहरा में उनके पिता और पीडीपी के संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद के स्मारक के निर्माण के मामले में जांच कर रही है। उन्होंने कहा, ''वे इतने निचले स्तर पर चले गए हैं कि वे मुफ्ती साहब के स्मारक की जांच कर रहे हैं। मुझे सूचना मिली है कि वे खंगाल रहे हैं कि स्मारक बनाने के लिए कहां से धन आया। वे मृत व्यक्ति को भी नहीं छोड़ेंगे।'' जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनाव में गुपकर घोषणापत्र गठबंधन (पीएजीडी) को 110 सीटें मिली हैं जबकि भाजपा ने 75 सीटें हासिल की हैं। पीडीपी अध्यक्ष ने डीडीसी चुनाव के नतीजों पर प्रसन्नता जताते हुए कहा

कि यह खुशी इसलिए हो रही है क्योंकि भाजपा ने उनकी पार्टी को 'खत्म' करने के कई प्रयास किए। घाटी में तीन सीटों पर भाजपा की जीत पर उन्होंने आरोप लगाया कि 'पार्टी ने धन बल, बाहुबल और हेरफेर के जरिए जीत हासिल की।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)